गुरुवार, 9 अप्रैल 2026

मौसम

तापमान 23 – 30
आर्द्रता 92%
सूर्योदय: 05:22 सूर्यास्त: 17:54

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

भारत और बांग्लादेश ने संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का संकेत दिया पृष्ठ 7

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, वैशाख कृष्णपक्ष सप्तमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : घुमक्कड़ी, लेखक और कलाकार के लिए धर्म-विजय का प्रयाण है।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

अमेरिका, इजराइल और ईरान दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत, कई जगहों पर हमले जारी

अमेरिका ईरान में जमीन में दबे यूरेनियम को 'खोदकर निकालेगा': ट्रंप

तेहरान : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरानी सभ्यता को मिटा देने की धमकियों से अंतिम समय में पीछे हटने के बाद ईरान, अमेरिका और इजराइल दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं। लेकिन, घोषणा के कुछ घंटों बाद ही, ईरान और अरब देशों ने नए हमलों की सूचना दी। यह स्पष्ट नहीं है कि हमलों से समझौता रद्द हो जाएगा या नहीं। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने समझौते को ''एक नाजुक युद्धविराम'' बताया। फिलहाल समझौते की शर्तों के बारे में स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। यह भी पता नहीं है कि क्या इससे स्थायी शांति स्थापित हो सकती है, क्योंकि दोनों पक्षों ने शर्तों के संबंध में बिल्कुल अलग-अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत किए हैं। ईरान ने कहा कि इस समझौते से उसे होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने की नयी व्यवस्था को औपचारिक रूप देने की अनुमति मिल जाएगी, लेकिन समझौते की शर्तें स्पष्ट नहीं हैं। यह भी ज्ञात नहीं है कि कोई अन्य देश इस शर्त पर सहमत है या नहीं। पाकिस्तान, जिसने समझौते में मध्यस्थता करने में मदद की, और अन्य देशों ने कहा कि वे लेबनान में लड़ाई रोक देंगे, जहां इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के खिलाफ जमीनी आक्रमण शुरू किया है। इजराइल ने कहा कि वह हिजबुल्लाह के खिलाफ हमले जारी रखेगा। ईरान के मिसाइल और परमाणु कार्यक्रमों का भविष्य भी अनिश्चित बना हुआ है, जिन्हें खत्म करना अमेरिका और इजराइल के लिए हमले का प्रमुख उद्देश्य था। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ईरान के साथ मिलकर उसके उस संवर्द्धित यूरेनियम को 'खोदकर निकालने'' का काम करेगा, जो पिछले साल गर्मियों में अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के दौरान जमीन में दब गया था। पाकिस्तान ने कहा कि युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए वार्ता शुक्रवार को इस्लामाबाद में शुरू हो सकती है।

बेरूत में इजराइल के हवाई हमलों में 112 लोगों की मौत, जवाब में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया

बेरूत : ईरान के साथ युद्ध-विराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद इजराइल ने बुधवार दोपहर बिना किसी चेतावनी के मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में कम से कम 112 लोगों की मौत हो गई और 800 से अधिक घायल हुए। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया की खबर में कहा गया कि तेहरान ने लेबनान पर इजराइली हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया है। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के एयरोस्पेस कमांडर जनरल सैयद माजिद मूसावी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, लेबनान के प्रति आक्रामकता ईरान के प्रति आक्रामकता है। उन्होंने बिना विवरण दिए चेतावनी दी कि ईरानी सेनाएं कड़ी प्रतिक्रिया की तैयारी कर रही हैं।

युद्धविराम से कच्चे तेल का वायदा भाव 18 प्रतिशत टूटा

नयी दिल्ली : अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक बाजारों में कमजोरी के बीच बुधवार को कच्चे तेल के वायदा भाव में भारी गिरावट आई और यह 18 प्रतिशत लुढ़ककर 8,775 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अप्रैल में आपूर्ति वाले कच्चे तेल के अनुबंध का वायदा भाव छह प्रतिशत टूटकर 10,029 रुपये प्रति बैरल पर खुला था। बाद में यह और लुढ़कता हुआ 1,894 रुपये या 17.75 प्रतिशत फिसलकर 8,775 रुपये प्रति बैरल पर आ गया।

भारत ने युद्धविराम का स्वागत किया

नयी दिल्ली : भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम का बुधवार को स्वागत किया और पश्चिम एशिया में दीर्घकालिक शांति सुनिश्चित करने के लिए ''तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति'' का आह्वान किया। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हम युद्धविराम का स्वागत करते हैं और आशा करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होगी। हम पहले भी कहते रहे हैं कि मौजूदा संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, संवाद और कूटनीति आवश्यक हैं।''

भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों से 'शीघ्र बाहर निकलने' का आग्रह किया

दुबई : भारत ने बुधवार को ईरान में अपने नागरिकों को हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर तेहरान स्थित अपने दूतावास द्वारा सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए देश से शीघ्र बाहर निकलने की सलाह दी। एक परामर्श में, तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने यह भी दोहराया कि बिना दूतावास से पूर्व परामर्श और समन्वय किए किसी भी अंतरराष्ट्रीय भू सीमा के पास जाने या उस ओर जाने का कोई प्रयास नहीं किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी आज बंगाल में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे

कोलकाता : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज पश्चिम बंगाल में भाजपा के चुनाव अभियान को तेजी प्रदान करते हुए हल्दिया, आसनसोल और सिउरी में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। चुनाव स्थलों का चयन भाजपा के उस प्रयास को रेखांकित करता है जिसके तहत वह उन क्षेत्रों में अपना समर्थन मजबूत करना चाहती है जहां उसने बड़ी बढ़त हासिल की है। पार्टी साथ ही साथ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में भी अपनी पैठ बनाना चाहती है। भाजपा द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, मोदी अपनी पहली रैली सुबह 9:30 बजे पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया कस्बे में संबोधित करेंगे। इसके बाद वह दोपहर में आसनसोल के पोलो ग्राउंड स्थित आउटडोर स्टेडियम में दूसरी रैली को संबोधित करेंगे। तीसरी जनसभा दोपहर दो बजे बीरभूम जिले के सिउरी कस्बे के चांदमारी मैदान में आयोजित की जाएगी।

रुपया 52 पैसे मजबूत होकर 92.54 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई : अमेरिका एवं ईरान के बीच संघर्षविराम की घोषणा और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के फैसले से बुधवार को घरेलू मुद्रा को बल मिला और रुपया 52 पैसे की बढ़त के साथ 92.54 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी मुद्रा के संदर्भ में उठाए गए कदमों के कोई ढांचागत बदलाव नहीं होने को लेकर आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा द्वारा भरोसा दिलाने के बाद निवेशकों की कारोबारी धारणा को बल मिला। इसके अलावा, कुछ निजी बैंकों में हाल के घटनाक्रम के बावजूद, बैंकिंग प्रणाली के स्वास्थ्य पर भरोसा जताया गया। मल्होत्रा ने कहा कि एचडीएफसी बैंक की निगरानी जांच के दौरान आरबीआई को प्रशासन या आचरण से जुड़ा कोई मुद्दा नहीं मिला।

शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 16.25 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

नयी दिल्ली : अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद बुधवार को शेयर बाजार में बड़ी तेजी आई, जिससे निवेशकों की संपत्ति 16.25 लाख करोड़ की भारी बढ़ोतरी हो गई। बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार पांचवें दिन बढ़त के साथ 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत उछलकर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ, जो पिछले पांच वर्षों का सबसे बड़ा एकदिवसीय उछाल है। इस जबर्दस्त तेजी के कारण बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 16,25,093.09 करोड़ रुपये बढ़कर 4,45,51,401.85 करोड़ रुपये (करीब 4.81 लाख करोड़ डॉलर) हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार, संघर्ष विराम से निकट अवधि में वैश्विक अनिश्चितता कम हुई है, जिससे भारत जैसे उभरते बाजारों में निवेश बढ़ा है। कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट भी भारत के लिए सकारात्मक मानी जा रही है। पृष्ठ 8

ममता ने भवानीपुर सीट से दाखिल किया नामांकन

भाजपा ने बंगाल को निशाना बनाया हैं, हम दिल्ली को टारगेट करेंगे : ममता

कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपनी परंपरागत कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्यमंत्री अपने कालीघाट स्थित आवास से पैदल मार्च करते हुए कुछ दूरी पर स्थित गोपालनगर में सरकारी सर्वे बिल्डिंग में नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान तृणमूल के कई सांसद, मंत्रियों व विधायकों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत में ममता ने भाजपा पर जोरदार निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने (भाजपा) बंगाल को निशाना बनाया है, हम दिल्ली को टारगेट करेंगे, संभाल लेना। बताते चलें कि राज्य की सबसे हाई-प्रोफाइल सीट भवानीपुर में इस बार ममता का मुकाबला भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से है। सुवेंदु ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में बीते गुरुवार को ही अपना नामांकन दाखिल किया था। भवानीपुर में दूसरे व अंतिम चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है। बताते चलें कि ममता चौथी बार भवानीपुर से चुनाव लड़ रही हैं। भवानीपुर ममता का गृह क्षेत्र भी है। 2011 में पहली बार वह भवानीपुर सीट से चुनाव लड़ी थीं और जीत दर्ज की थीं। 2016 में लगातार दूसरी बार उन्होंने इस सीट से चुनाव जीता। ममता 2021 में भवानीपुर की बजाय पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से चुनाव लड़ी थीं, जहां अपने पूर्व सहयोगी व भाजपा के सुवेंदु अधिकारी से करीबी मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। नंदीग्राम में हार के बाद ममता उसी साल वापस भवानीपुर सीट से उपचुनाव में जीत

दर्ज कर विधानसभा पहुंचीं और उनकी सीएम की कुर्सी बचीं।

मेरा धर्म और कर्म भवानीपुर में ही : ममता

ममता ने अपनी जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि भवानीपुर में मै 365 दिन रहती हूं। मेरा धर्म और कर्म भवानीपुर में ही है। आज मैने अपना नामांकन भर दिया, मै चाहती हूं राज्य की जनता सभी तृणमूल प्रत्याशी को वोट दे। उन्होंने दावा किया कि चुनाव के बाद राज्य में सरकार फिर से तृणमूल कांग्रेस ही गठित करेगी। ममता ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का भी उल्लेख करते हुए कहा कि चुनाव से ठीक पहले इसके नाम पर मनमानी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाकर लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया गया है। चुनाव में जनता इसका जवाब देगी। ममता ने साथ ही दावा किया कि मेरे सुप्रीम कोर्ट जाने की वजह से कई लोगों के नाम मतदाता सूची में वापस आए।

हम मतदाता सूची से नाम हटाने के विरोध में फिर से अदालत जाएंगे: ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मतदाता सूची से नाम हटाने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का विरोध करने के लिए फिर से अदालत का रुख करेगी। राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के पूरा होने पर लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए जाने के बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। बनर्जी ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण की कवायद को लेकर अपनी मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, ''मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाकर आप तृणमूल कांग्रेस को नहीं हरा पाएंगे। नामों को हटाने के विरोध में हम फिर से अदालत जाएंगे।''

सरधा चिटफंड मामले के आरोपी सुदीप्त सेन को जमानत, 13 साल बाद जेल से रिहाई का रास्ता साफ

हाईकोर्ट ने सशर्त दी राहत, पासपोर्ट जमा करने और हर महीने थाने में हाजिरी का निर्देश

कोलकाता : सरधा चिटफंड घोटाले के मुख्य आरोपी सुदीप्त सेन को आखिरकार बड़ी राहत मिली है। कोलकाता हाईकोर्ट ने राज्य पुलिस से जुड़े दो मामलों में भी उन्हें जमानत दे दी है, जिससे करीब 13 वर्षों बाद उनकी रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। बुधवार को न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की पीठ ने सशर्त जमानत मंजूर करते हुए कई निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि सुदीप्त सेन को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और राज्य से बाहर जाने के लिए पूर्व अनुमति लेनी होगी। साथ ही, निवास स्थान बदलने की स्थिति में जांच अधिकारी को सूचित करना अनिवार्य होगा। अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि वह किसी भी गवाह को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे और न्यायिक प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे। इसके अलावा उन्हें महीने में कम से कम एक बार स्थानीय थाने में हाजिरी देनी होगी। इन शर्तों के साथ हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब सुदीप्त सेन की रिहाई में कोई कानूनी बाधा नहीं बची है। यदि सभी औपचारिकताएं पूरी हो जाती हैं, तो गुरुवार तक उनके जेल से बाहर आने की संभावना है। गौरतलब है कि सुदीप्त सेन लंबे समय से विभिन्न अदालतों में चल रहे कई मामलों के चलते जेल में बंद थे। उन्होंने हाल ही में अदालत में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि लंबे समय से उनकी सुनवाई नहीं हो रही है और उन्हें नियमित रूप से अदालत में पेश भी नहीं किया जा रहा। मामले की सुनवाई के दौरान केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने अदालत को बताया कि उनके खिलाफ दर्ज कुल 382 मामलों में से 76 मामले उसके पास थे, जिनमें उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। राज्य पुलिस के मामलों में भी अब जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। हालांकि, बारासात की अदालत में लंबित दो मामलों की सुनवाई अभी जारी है, लेकिन फिलहाल हाईकोर्ट के इस फैसले को सुदीप्त सेन के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के लिए मसौदा को मंजूरी दी

नयी दिल्ली : ऐसा माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के लिए बुधवार को मसौदा विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस संशोधन के तहत लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 816 करने और उनमें से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान किया गया है तथा इसे 2029 के आम चुनाव में लागू किया जायेगा। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, जिसे आमतौर पर महिला आरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है, में संशोधन के लिए मसौदा विधेयक को मंजूरी दी गई। सरकार ने संसद के बजट सत्र की अवधि को बढ़ा दिया है और 16 से 18 अप्रैल तक तीन दिवसीय विशेष सत्र आयोजित किया जायेगा, जिसमें संशोधन विधेयक पारित होने की उम्मीद है। उपलब्ध व्यापक रूपरेखा के अनुसार, लोकसभा सीटों की संख्या वर्तमान 543 से बढ़कर 816 हो जाएगी, जिसमें से 273 सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण प्रस्तावित 2027 की जनगणना के बजाय 2011 की जनगणना के आधार पर किया जाएगा।

आरबीआई ने रेपो दर को यथावत रखा, 2026-27 में वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान

नहीं बढ़ेगा ईएमआई का बोझ

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए बुधवार को नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। आरबीआई ने इसके साथ सतर्कता बरतते हुए 'देखो और इंतजार करो' की नीति का रुख अपनाया है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में लगभग 40 दिन चले युद्ध के कारण कच्चे तेल दाम में उल्लेखनीय तेजी आई है। इससे ईंधन के आयात पर निर्भर भारत जैसे देशों के लिए मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ा है। हालांकि, अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध विराम से वैश्विक स्तर पर पुनरुद्धार की उम्मीद भी बंधी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की छह अप्रैल से शुरू तीन-दिवसीय बैठक में लिए गए इन निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा, ''एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखने का निर्णय किया है।'' उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एमपीसी ने मौद्रिक नीति के मामले में 'तटस्थ' रुख को बनाये रखा है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त जस-की-तस बने रहने की संभावना है। पृष्ठ 8

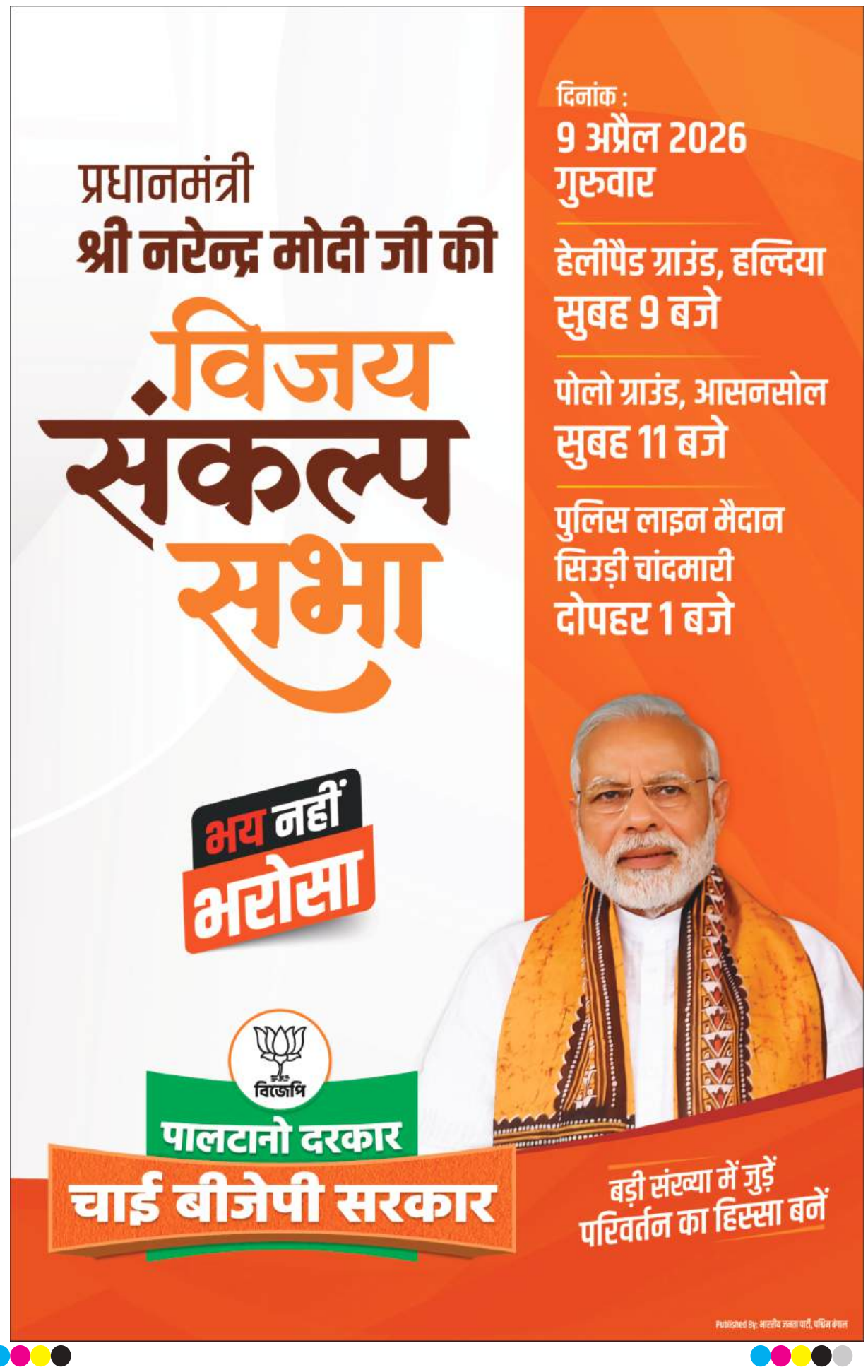

एमएसपी हकीकत न बनने से मजबूरी में बिक्री

कहने को तो देश डिजिटल क्रांति के दौर में पहुंच चुका है और वित्तीय लेनदेन से लेकर तमाम क्षेत्रों में आधुनिक तकनीक वरदान साबित हो सकती है। लेकिन हमें यह मानकर चलना चाहिए कि देश का परंपरागत किसान डिजिटल सुविधाओं के उपयोग में खुद को सहज महसूस नहीं करता। आधुनिक डिजिटल तकनीक का प्रयोग नई पीढ़ी की सोच के अनुरूप है, लेकिन पुरानी पीढ़ी इसके उपयोग में खुद को असहज पाती है। कमोबेश किसानों के कल्याण के लिए बनाये गए मंडी पोर्टलों पर भी यही बात लागू होती है। जाहिरा तौर पर किसानों के लिये मंडी पोर्टलों का उपयोग आसान होना चाहिए। बाकायदा किसानों को डिजिटल साक्षर बनाने की मुहिम चलाने की जरूरत भी है। सही मायनों में डिजिटलीकरण का मुख्य उद्देश्य कृषि उपजों की खरीद की प्रक्रिया को सरल बनाना था। लेकिन हरियाणा में जमीनी हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है। दरअसल, हम एक आम किसान से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह शहरी लोगों की तरह पोर्टलों, पासवर्डों और प्रक्रियात्मक पेचीदगियों के जाल का सहजता से उपयोग कर सके। यही वजह है कि न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का लाभ उठाने के लिये उसे एक जटिल प्रक्रिया का सामना करना पड़ा है। उल्लेखनीय है कि राज्य भर की मंडियों से द ट्रिब्यून में प्रकाशित हालिया रिपोर्टों से एक जैसा पैटर्न नजर आया है। अब राज्य में फसलों की बिक्री के लिये अनिवार्य पोर्टल- ई-खरीद और मेरी फसल,मेरा ब्योरा यानी एमएफएमबी- साइट क्रैश, डेटा विसंगतियों और सत्यापन की विफलताओं से ग्रस्त है। जिससे कई तरह की समस्याओं से किसानों को रूबरू होना पड़ रहा है। यहां तक कि कई जिलों में, किसानों को गेट पास तक नहीं दिए गए हैं। वजह यह बतायी जा रही है कि किसानों का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा है। कई बार अंतिम व महत्वपूर्ण क्षणों में सर्वर ने काम नहीं किया। जिसका खमियाजा फसल बेचने आने वाले किसानों को उठाना पड़ रहा है।

दरअसल, ऐसी अनेक तकनीकी जटिलताओं के परिणाम तात्कालिक व गंभीर बताये जाते हैं। किसानों की फसल तो बिक्री के लिये तैयार है, लेकिन कतिपय कारणों से उसे मंडियों में प्रवेश करने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। यही वजह है किसान अपने खून-पसीने की फसल निजी व्यापारियों को बेचने को विवश हो जाते हैं। किसान की मजबूरी ये होती है कि वह जल्द से जल्द फसल बेचना चाहता है। उसे अपने पहले के खर्च निकालने हैं और अगली फसल की तैयारी करनी है। जिसके चलते वह तुरंत भुगतान की आस में कम दाम में भी व्यापारियों को फसल बेचने को बाध्य हो जाता है। ऐसा नहीं है कि सरकारी एजेंसियां खरीद नहीं कर रही हैं, लेकिन फसल की आवक का एक छोटा हिस्सा ही खरीद पायी हैं। जो फसल खरीद के वायदे और वास्तविक तैयारी के बीच के अंतर को स्पष्ट करती है। कुछ आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं। विशेष रूप से, हरियाणा में गेहूं की खरीद को 80 लाख टन से घटाकर 72 लाख टन करने से किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर्याप्त रूप में नहीं मिल पा रहा है। जिसके चलते उन्हें आर्थिक घाटा उठाना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जो अनाज एमएसपी पर नहीं खरीदा जाता है, उसे किसान व्यापारियों को एमएसपी से 400 से पांच सौ रुपये कम दाम पर बेचने को मजबूर है। यानी एमएसपी के मूल उद्देश्य के विपरीत यह किसानों के हितों को नुकसान पहुंचा रहा है। इस बात में कोई संदेह नहीं कि डिजिटलीकरण का लक्ष्य व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता लाना है। लेकिन इस प्रणाली की उपयोगिता तभी है जब सर्वर ठीक से काम कर रहा हो। साथ ही लोग इसका उपयोग बेहतर ढंग से करना जानते हों। यह प्रक्रिया छोटे और गरीब व निरक्षर किसानों को प्रोसेस से बाहर कर देती है। जिनकी सेवा का दावा व्यवस्था अक्सर करती है। एक विसंगति यह भी कि इसमें कोई बैकअप सिस्टम नहीं है। पोर्टल के फेल होने पर खरीद रुक जाती है। यदि एमएसपी का लाभ कमजोर डिजिटल प्रणाली की वजह से किसान को नहीं मिलता, तो यह किसानों का सुरक्षा कवच नहीं रह जाता है।

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

श्री नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री
(भारत सरकार)

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगीहै। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है।महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है।

संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

विदेश की खबरें

पिछले नौ वर्षों में आठ से बढ़कर 18 प्रतिशत हुई कृषि विकास दर : आदित्यनाथ

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पिछले नौ वर्षों के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर आठ से बढ़कर 18 फीसदी हो जाने का दावा करते हुए बुधवार को कहा कि इसका पूरा श्रेय लगातार किए गए नीतिगत प्रयासों और संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल को जाता है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में छठी उत्तर प्रदेश कृषि विज्ञान कांग्रेस-2026 का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि पिछले नौ वर्षों के दौरान राज्य की कृषि विकास दर लगभग आठ प्रतिशत से बढ़कर 18 फीसद हो गई है। उन्होंने भारत की कृषि अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि प्रदेश में देश की 16-17 प्रतिशत आबादी रहती है और यहां देश की लगभग 11 प्रतिशत खेती योग्य ज़मीन है, जो देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत का योगदान देती है। आदित्यनाथ ने कहा, ''राज्य में सबसे उपजाऊ जमीन और भरपूर जल संसाधन हैं जिनका अगर प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए तो काफ़ी अच्छे परिणाम हासिल किये जा सकते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन दिवसीय इस आयोजन में कृषि के विभिन्न आयामों पर गंभीर विचार-विमर्श होगा, जिसमें जमीनी स्तर के अनुभवों, नवाचारों और सफल प्रयोगों को साझा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह मंच केवल चर्चा का नहीं, बल्कि ठोस कार्ययोजना तैयार करने का माध्यम बनना चाहिए, जिससे किसानों को वास्तविक लाभ मिल सके। आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले कृषि क्षेत्र अव्यवस्था, असंगठित व्यवस्था और किसानों के गहरे अविश्वास का प्रतीक बन गया था।

प्रधानमंत्री 21 अप्रैल को पचपदरा में करेंगे एचपी-सीएल-राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन

जयपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 अप्रैल को पचपदरा में एचपी-सीएल-राजस्थान रिफाइनरी का उद्घाटन करेंगे। इस परियोजना से पश्चिमी राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलने की आशा है। यह भी उम्मीद है कि वह देश के सबसे बड़े एकीकृत 'रिफाइनरी-कम-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स' में से एक बन सकती है। करीब एक दशक से अधिक समय और कई सरकारों के दौर से गुजरने के बाद यह परियोजना अब साकार होने जा रही है। 'नब्बे लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष (9 एमएमटीपीए) क्षमता वाली इस परियोजना की लागत अब दोगुनी होकर लगभग 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

राजस्थान के सलूंबर जिले में रहस्यमयी बीमारी से हफ्ते भर में पांच बच्चों की मौत: अधिकारी

जयपुर : राजस्थान के सलूंबर जिले में रहस्यमयी बीमारी के कारण पांच दिन में पांच बच्चों की मौत हो गई, जिनमें दो सगे भाई-बहन भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो से चार साल की आयु के इन बच्चों में कथित तौर पर बुखार और उल्टी जैसे लक्षण दिखे तथा 24 घंटे के भीतर ही उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि ये मामले लसाड़िया उपखंड के लालपुरा और घाटा गांव में सामने आए हैं। प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग की टीमों को नमूने लेने और स्थिति पर नजर रखने के लिए तैनात किया है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की पहचान लालपुरा गांव के दीपक (4), उसके भाई लक्ष्मण (3) और सीमा (4) के रूप में तथा घाटा गांव के राहुल (4) और काजल (2) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि आठ अन्य बच्चों का फिलहाल सलूंबर और उदयपुर के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। अतिरिक्त जिलाधिकारी दिनेश राय सापेला ने बताया कि प्रभावित गांवों में रहने वाले लोगों का सर्वेक्षण किया गया। इन गांवों में 560 से अधिक घर हैं। उन्होंने कहा, चिकित्सा टीमों ने सर्वेक्षण किया है और जिस भी व्यक्ति में लक्षण दिखेंगे उसे इलाज मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि यदि बच्चों में बीमारी के कोई भी लक्षण दिखें तो वे तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाएं।

नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में लेंगे शपथ: मंत्री

पटना : जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। बिहार के मंत्री और मुख्यमंत्री के करीबी सहयोगी विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। चौधरी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कुमार बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली के लिए रवाना होंगे। जदयू नेता ने कहा, राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद मुख्यमंत्री अब संसद के उच्च सदन के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले हैं। वह कल (दिल्ली के लिए) रवाना होंगे और उसके अगले दिन शपथ ग्रहण करेंगे। राज्य में नई सरकार के गठन को लेकर सवाल किये जाने पर चौधरी ने कहा, यह उचित समय पर होगा। दिल्ली से लौटने के बाद मुख्यमंत्री इस्तीफा देंगे और उसके बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी सहयोगी मिलकर आगे की प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे।

सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बने तो मेरा समर्थन रहेगा: तेज प्रताप

पटना : बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने बुधवार को कहा कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद यदि भाजपा के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते हैं, तो उन्हें उनका समर्थन रहेगा। तेज प्रताप यादव ने यहां प्रेसवार्ता में नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा, शराबबंदी नीति विफल होने के कारण वह दिल्ली भाग रहे हैं। तेज प्रताप यादव ने अपने पिता लालू प्रसाद के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित किये जाने के बाद जनशक्ति जनता दल का गठन किया था। तेज प्रताप यादव ने दावा किया, राजद में रहते हुए मैंने शराबबंदी का समर्थन किया होगा, लेकिन सच्चाई यह है कि शराबबंदी विफल रही है। महिलाएं भी अवैध शराब की बिक्री और सेवन में शामिल हैं। यह समझकर नीतीश दिल्ली भाग रहे हैं और मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना चाहते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार अपने पिता के बाद सत्ता संभाल सकते हैं, तो तेज प्रताप यादव ने कहा, वह इसके लिए बहुत अनुभवहीन हैं। वह उम्र में मुझसे बड़े हो सकते हैं, लेकिन राजनीति में अनुभव मायने रखता है। वर्तमान में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम मुख्यमंत्री पद के लिए चर्चा में होने पर यादव ने कहा, अगर वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो ठीक है। उन्हें मेरा समर्थन रहेगा।

आज का पंचांग

कोलकाता : 9 अप्रैल, गुरुवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख कृष्णपक्ष सप्तमी, 21:18 तक, नक्षत्र : मूल, 08:40 तक, योग : परिघा, 17:49 तक, सूर्योदय: 05:22, सूर्यास्त: 17:54, चन्द्रोदय : 24:21, चन्द्रास्त: 10:13, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मीन, चन्द्र राशि : धनु, राहू काल : 13:11 से 14:44

राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए हल्के-फुल्के मजे और खुशियों से भरा रहेगा, जैसे दिल बस घूमने और हंसने का बहाना ढूंढ रहा हो।

वृष : आज आपका दिन चमकने वाला है, खासकर सामाजिक क्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और कोई नई पहचान या पद आपको मिल सकता है।

मिथुन : आज कार्यक्षेत्र में कोई आपको भटकाने की कोशिश कर सकता है, इसलिए आंखें खुली रखें। पिताजी की कोई बात दिल को लग सकती है, लेकिन समय के साथ सब सामान्य हो जाएगा।

कर्क : आज का दिन खुशियों और हल्की जिम्मेदारियों का मेल लेकर आया है। परिवार में किसी की शादी तय होने की खबर माहौल को उत्सव में बदल देगी।

सिंह : आज दिन भागदौड़ से भरा रहेगा, जैसे हर काम आपको एक साथ पुकार रहा हो। थोड़ी बेचैनी और जल्दबाजी आपको परेशान कर सकती है, इसलिए खुद को शांत रखना जरूरी है।

कन्या : आज आपका दिन हल्का-फुल्का और आनंद से भरा रहेगा, लेकिन अंदर ही अंदर आप खुद को बेहतर बनाने की कोशिश भी करेंगे।

तुला : आज का दिन सामान्य रहेगा, लेकिन छोटी-छोटी बातें मन को उलझा सकती हैं। पिताजी की कोई बात आपको अच्छी न लगे, साथ ही सेहत को लेकर भी थोड़ी चिंता रह सकती है।

वृश्चिक : बुनियाद के भाव में बुधदेव की स्थिति का मतलब है कि आपकी आंतरिक प्रणालियां और होम-ऑफिस सेटअप अब आपके सबसे मजबूत उपकरण हैं।

धनु : आज आपके जीवन में सुविधाओं और आराम का स्तर बढ़ेगा। पिताजी किसी बात को लेकर आपसे नाराज़ हो सकते हैं, लेकिन स्थिति संभल जाएगी।

मकर : आज का दिन शांत और सामान्य रहेगा, लेकिन आपको अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना होगा। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें।

कुम्भ : आज बिजनेस में थोड़ा सतर्क रहने का दिन है, क्योंकि छोटी सी लापरवाही बड़ा नुकसान कर सकती है। पार्टनरशिप में भी धोखे की संभावना है, इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठाएं।

मीन : आज आपके अंदर कुछ नया करने का जोश उमड़ेगा, लेकिन इसी उत्साह में जल्दबाजी भी हो सकती है, इसलिए संतुलन बनाए रखें। प्रॉपर्टी खरीदने का सपना भी आज साकार हो सकता है।

वर्ग पहेली नं. 3404

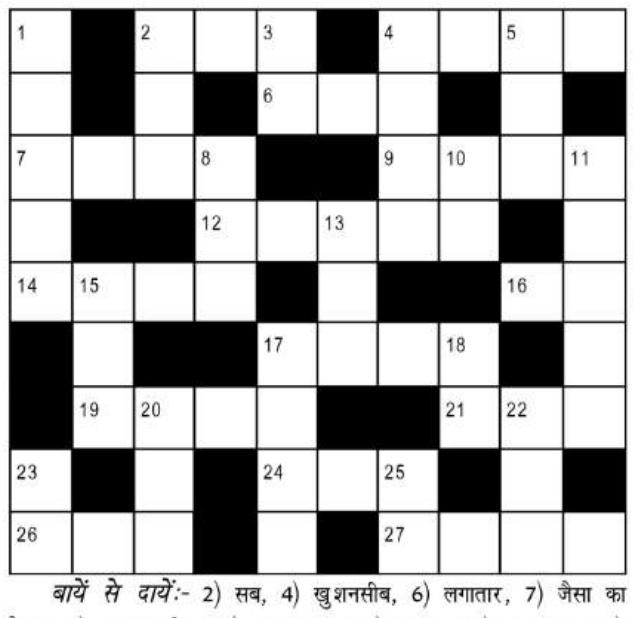

ऊपर से नीचे:- 1) एक राजस्थानी शहर, 2) चिंता, 3) नई मूँछ, 4) सौदेबाज़ी, 5) वादा, 8) मातहती, 10) एक फल, 11) इतवार, 13) प्यारा, 15) मामूली, 17) पतिंगा, 18) रग, 20) खिल्ली, मज़ाक, 22) सौभाग्य, 23) अच्छा; बहुत, 25) ख़र्च. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 2) सब, 4) खुशनसीब, 6) लगातार, 7) जैसा का तैसा, 9) आज्ञाकारी, 12) आक्रमक, 14) दया, 16) अलावा, 17) भागना, 19) श्रमिक, 21) राम का जनक, 24) पश्चिम और उत्तर दिशाओं के बीच का कोण, 26) समीप का स्थान, 27) इधरउधर.

पिछली पहेली का उत्तर

अ	भ	क			स	र	स		प	
चा		प	र	च	म		मा	धु	र्य	
न	गा	ड़ा		किस्त		वे		वे		
क	ड़ी		म	त		अं	श		क्षा	
	वा	लि	द		पं	डा		ख़ा	क	
म	न		द	रा	ज		अ	ति		
न		दं	गा		र	मा			र	क्षा
हू		प	र	दा		य	शो	दा		
स	म्म	ति		स	ह	ना		री	छ	

सुडोकू-पहेली-3362

			2				1	
1							4	9
		5	3					
	4	2				6		8
		8		6				
		1						
			4	3				
	3			9			6	
5					7	2		1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3361 का उत्तर

3	7	1	8	2	4	5	9	6
4	5	2	1	6	9	3	7	8
8	6	9	5	3	7	2	4	1
5	2	6	4	9	8	1	3	7
1	4	7	6	5	3	9	8	2
9	3	8	7	1	2	4	6	5
6	1	4	9	7	5	8	2	3
7	9	3	2	8	1	6	5	4
2	8	5	3	4	6	7	1	9

सत्ता–समर चुनाव–2026

भाजपा बंगाल को विभाजित करने की साजिश रच रही : ममता

❑ कहा– आगामी लोकसभा चुनाव जीतने के लिए नए सिरे से परिसीमन की योजना बनाई जा रही

❑ हुगली जिले में तीन चुनावी रैलियों में भाजपा पर जमकर बरसीं ममता

कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार चुनाव आयोग के साथ मिलकर भाजपा को आगामी लोकसभा चुनाव जीतने में मदद करने के लिए नए सिरे से परिसीमन की योजना बना रही है।

हुगली जिले के आरामबाग में एक चुनावी रैली को संबोधित

करते हुए ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन की आड़ में बंगाल को विभाजित करने की साजिश रच रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल को निशाना बनाया है। वह राज्य को फिर से विभाजित करने की साजिश रच रही है। परिसीमन के नाम पर, आप बंगाल से एक और राज्य बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि भाजपा व केंद्र सरकार द्वारा उत्तर बंगाल के कुछ जिलों और बिहार के कुछ हिस्सों को मिलाकर अलग राज्य बनाने की साजिश रची जा रही है। पिछले दिनों भी ममता ने इसका आरोप लगाया था।

हुगली जिले के ही बालागढ़ में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए ममता ने चेतावनी दी कि भाजपा को वोट देने का मतलब एक तरह से मछली, मांस और बांग्ला भाषा बोलने का त्याग करना होगा। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे भाजपा शासित राज्यों में लोगों को अंडे, मछली या मांस खाने की अनुमति नहीं है। अगर भाजपा सत्ता में आती है तो यहां भी ऐसा ही होगा। बंगाली नानवेज (मांस–मछली व अंडे) नहीं खा पाएंगे। ममता ने हुगली के श्रीरामपुर में भी रैली को संबोधित किया।

❑ निर्वाचन आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा

ममता ने एसआइआर के तहत मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर भी भाजपा और निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और कहा कि उनकी पार्टी इसके खिलाफ फिर से अदालत का रुख करेगी। ममता की यह टिप्पणी राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के पूरा होने पर लगभग 91 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद आई है। ममता ने कहा कि मतदाता सूची से लोगों के नाम हटाकर आप तृणमूल को नहीं हरा पाएंगे। हम नामों को संविधान के अनुसार सूची में शामिल करवाने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। अगर लोग वोट नहीं डाल सकते, तो न्यायाधिकरण बनाने की क्या जरूरत है? और फिर आप कह रहे हैं कि सूची फ्र ज कर दी गई है। यह क्या है? हम इसे चुनौती देंगे और इसे समझने की कोशिश करेंगे। ममता ने भाजपा पर मतदाता सूचियों में हेरफेर की कोशिश करने और मतदाताओं को लुभाने के लिए धन की पेशकश करने का आरोप लगाया।

ममता ने निर्वाचन आयोग पर लोगों को फोन पर धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि निर्वाचन आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है। यह लोगों को फोन करके धमका रहा है और डरा रहा है।

ममता के पास नहीं है कोई अचल संपत्ति, हाथ में 75 हजार रुपये नकद

चार चुनाव : संपत्ति और केस का तुलनात्मक ब्यौरा

वर्ष	घोषित संपत्ति	आपराधिक मामले
2011	15.84 लाख	0
2016	30.45 लाख	0
2021	15.38 लाख	0
2026	15.37 लाख	0

कोलकाता : अपनी सादगी के लिए जानी जाने वालीं बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के पास न अपना घर, न गाड़ी और न ही उनके नाम पर कोई कृषि जमीन है। विधानसभा चुनाव के लिए कोलकाता की भवानीपुर सीट से ममता द्वारा बुधवार को दाखिल नामांकन के साथ जमा किए गए हलफनामे में यह बात सामने आई है। चुनाव आयोग ने शाम को इस हलफनामे (शपथपत्र) को अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक किया, जिसमें ममता ने अपनी शैक्षणिक योग्यता, आय और संपत्ति से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी है।

हलफनामे के अनुसार, ममता के पास 75,700 रुपये नकद हैं। इसके अलावा, कोलकाता के हरीश मुखर्जी रोड स्थित इंडियन बैंक की शाखा में उनके बचत खाते में 12,36,209 रुपये जमा हैं। इसी शाखा में चुनाव खर्च के लिए खोले गए खाते में 40,000 रुपये मौजूद हैं।

ममता के पास मात्र 9 ग्राम 750 मिलीग्राम सोना है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1.45 लाख रुपये है। इस प्रकार उनकी कुल चल संपत्ति करीब 15,37,509 रुपये है। मुख्यमंत्री ने बताया है कि उनके नाम पर कोई अचल संपत्ति नहीं है। न उनके पास कोई घर या फ्लैट है, न ही कोई कृषि भूमि। उन्हें विरासत में भी कोई अचल संपत्ति नहीं मिली है। इसके अलावा उनके नाम पर कोई वाहन भी नहीं है। उनके पास किसी भी कंपनी के शेयर या किसी वित्तीय संस्था में कोई निवेश भी नहीं है। ममता के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है।

❑ ममता की आय में गिरावट

हलफनामे के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में ममता की आय में उतार– चढ़ाव व गिरावट आई है। आयकर विभाग के पास जमा रिटर्न के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में ममता की कुल आय 23,21,570 रुपये रही। 2023–24 में उनकी कुल आय 20,72,740 थी। 2022–23 में उनकी आय 29,76,360 रुपये और 2021–22 में 38,14,410 रुपये जबकि 2020–21 में यह 15,47,845 रुपये थी। ममता पर किसी सरकारी संस्था का कोई बकाया या ऋण नहीं है।

❑ 2016 के बाद संपत्ति में गिरावट

ममता द्वारा जमा किए गए हलफनामे और पिछले चुनावों के आंकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण में उनकी संपत्ति में मामूली गिरावट आई है। 2011 के चुनाव में ममता द्वारा घोषित कुल संपत्ति 15.84 लाख रुपये थी। 2016 में कुल घोषित संपत्ति 30.45 लाख और 2021 में 15.38 लाख थी। 2026 में यह 15.37 लाख है।

❑ एमए पास हैं ममता

ममता की उच्चतम शैक्षणिक योग्यता एमए है। ममता ने बताया है कि उन्होंने 1977 में कलकत्ता विश्वविद्यालय से कला संकाय में मास्टर्स (एमए) की डिग्री प्राप्त की थी। इसके बाद 1982 में उसी विश्वविद्यालय से संबद्ध योगेशचंद्र चौधरी कालेज से कानून (एलएलबी) की डिग्री हासिल की।

बंगाल चुनाव से पहले सुरक्षा कड़ी, 150 और कंपनियां केंद्रीय बलों की तैनात होंगी

❑ 18 अप्रैल तक पहुंचेगा अतिरिक्त बल, सीआरपीएफ, बीएसएफ समेत विभिन्न बलों की होगी तैनाती

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य में अतिरिक्त 150 कंपनियों की तैनाती का फैसला लिया है, जिससे चुनावी माहौल को पूरी तरह सुरक्षित बनाया जा सके।

सूत्रों के अनुसार, पहले से तैनात बलों के अलावा अब और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल तथा राज्य सशस्त्र पुलिस को पश्चिम बंगाल भेजा जाएगा। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, यह अतिरिक्त बल 18 अप्रैल तक राज्य में पहुंच जाएगा।

तैनात किए जाने वाले बलों में सीआरपीएफ की 32 कंपनियां, बीएसएफ की 55 कंपनियां, सीआईएसएफ की 6 कंपनियां और एसएसबी की 2 कंपनियां शामिल हैं।

इसके अलावा विभिन्न राज्यों से कुल 55 कंपनियां राज्य सशस्त्र पुलिस (ड–झ) और इंडिया रिजर्व (खठ) बटालियन की भी तैनाती की जाएगी।

चुनाव आयोग पहले ही राज्य में बड़े पैमाने पर केंद्रीय बलों की तैनाती कर चुका है। अब अतिरिक्त कंपनियों के आगमन के साथ बंगाल में सुरक्षा व्यवस्था और सख्त हो जाएगी।

प्रशासन का मानना है कि इस कदम से मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की हिंसा या गड़बड़ी को रोका जा सकेगा और मतदाता निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

निर्वाचन आयोग ने डाक मतपत्र के नियमों को सख्त किया

कोलकाता : निर्वाचन आयोग ने डाक मतपत्र मतदान प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जिनमें सुविधा केंद्रों और डाक मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की तैनाती और पर्यवेक्षकों की सख्त निगरानी अनिवार्य की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजे गए एक पत्र में आयोग ने कहा कि ये उपाय चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाताओं और आवश्यक सेवाओं में कार्यरत अनुपस्थित मतदाताओं से जुड़े नियमों के 'सख्त अनुपालन' को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किए गए हैं। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 18ए का हवाला देते हुए आयोग ने दोहराया कि चुनाव ड्यूटी पर तैनात मतदाता अपने डाक मतपत्र को रिटर्निंग अधिकारी द्वारा निर्दिष्ट सुविधा केंद्र पर प्राप्त करेंगे, दर्ज करेंगे और वापस करेंगे।

इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि ऐसे मतदाता सुविधा केंद्रों (एफसी) पर ही अपना वोट डालेंगे, किसी अन्य तरीके से नहीं, और यह भी कहा गया कि प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए ये केंद्र प्रशिक्षण स्थलों और रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालयों में स्थापित किए गए हैं। आयोग ने 6 अप्रैल दिनांकित पत्र में निर्देश दिया कि एफसी (सुविधा केंद्र) और पीवीसी (डाक मतदान केंद्र) के प्रत्येक मतदान बूथ पर कम से कम एक समूह 'बी' स्तर के अधिकारी को माइक्रो ऑब्जर्वर के रूप में तैनात किया जाए। साथ ही यह भी अनिवार्य किया गया कि पर्यवेक्षक मतदान के दिन प्रत्येक केंद्र का ''कम से कम तीन बार'' दौरा करें। पत्र में कहा गया है, पर्यवेक्षक और सूक्ष्म पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि मतदान प्रक्रिया सही ढंग से हो रही है और साथ ही यह भी कहा गया है कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की सूचना तुरंत दी जानी चाहिए।

पर्यवेक्षकों को मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन जमा कराने संबंधी हालिया निर्देशों के अनुपालन को सुनिश्चित करने की भी जिम्मेदारी दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए आयोग ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती का आदेश दिया है, जिसमें प्रत्येक केंद्र के प्रवेश द्वार पर कम से कम आधा सेक्शन तैनात किया जाएगा। दिशा–निर्देशों में कहा गया है, प्रवेश पर सख्त नियंत्रण बनाए रखा जाएगा और केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। एक महत्वपूर्ण कदम के तहत मतदान की गोपनीयता से समझौता किए बिना मतदान प्रक्रिया को रिकॉर्ड करने के लिए एफसी और पीवीसी के अंतर्गत प्रत्येक मतदान केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) को लाइव फीड के माध्यम से प्रक्रिया की निगरानी करने और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है, जबकि रिकॉर्डिंग को मौजूदा मानदंडों के अनुसार संरक्षित किया जाना चाहिए।

निर्वाचन आयोग और तृणमूल कांग्रेस के बीच बयानबाजी तेज, बैठक के बाद बढ़ा राजनीतिक विवाद

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में आगामी दो चरणों के विधानसभा चुनाव से पहले भारत निर्वाचन आयोग और तृणमूल कांग्रेस के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। निर्वाचन आयोग की ओर से जारी एक कड़े बयान के बाद राज्य की राजनीति में आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

बुधवार को तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली स्थित निर्वाचन आयोग मुख्यालय पहुंचा और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात कर हाल ही में हुई मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

इस बैठक के कुछ समय बाद ही निर्वाचन आयोग ने अपने एक्स मंच पर हिंदी और अंग्रेजी में एक बयान जारी किया, जिसका शीर्षक था 'तृणमूल कांग्रेस से निर्वाचन आयोग की सीधी बात'। बयान में कहा गया कि इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव भयमुक्त, हिंसामुक्त, दबावमुक्त और प्रलोभनमुक्त होंगे तथा बूथ कब्जा और मतदान में बाधा जैसी घटनाओं को भी रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

निर्वाचन आयोग के इस बयान पर तृणमूल कांग्रेस ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए अपने एक्स पर जवाबी बयान जारी किया। पार्टी ने अपने बयान में कहा कि इस बार चुनाव दिल्ली के नियंत्रण, राजनीतिक पक्षपात, चुनिंदा कार्रवाई और दोहरे मानदंडों से मुक्त होने चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस ने एक अन्य बयान में यह सवाल भी उठाया कि क्या किसी संवैधानिक संस्था को इस प्रकार की चुनौतीपूर्ण भाषा का प्रयोग करना चाहिए। पार्टी ने आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े किए।

तृणमूल कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर बंगाल के चुनाव अधिकारियों पर राजनीतिक पक्षपात का लगाया आरोप

तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल के चुनाव अधिकारियों पर भा.ज.पा. के पक्ष में राजनीतिक पक्षपात करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने विशेष रूप से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। यह पत्र तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा के चार सदस्यों डेरेक ओ ब्रायन, सागरिका घोष, मेनका गुरुस्वामी और साकेत गोखले ने संयुक्त रूप से भेजा है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि पूर्वी मिदनापुर जिले के नंदीग्राम में आधिकारिक दौरे के दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी एक स्थानीय भा.ज.पा. नेता के साथ देखे गए, जिससे उनकी निष्पक्षता पर प्रश्न उठता है।

वहीं तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा में नेता डेरेक ओ ब्रायन ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर बैठक के दौरान असहयोग का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बैठक में कोई सार्थक चर्चा नहीं हुई और उनके साथ कथित रूप से अनुचित व्यवहार किया गया।

हालांकि निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बैठक के दौरान तृणमूल प्रतिनिधियों से कई बार आवाज धीमी रखने और मर्यादित भाषा का प्रयोग करने का अनुरोध किया था।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद राज्य में चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया है।

निर्वाचन आयोग ने विधानसभा क्षेत्र की बुनियादी जानकारी नहीं रखने वाले पर्यवेक्षक को वापस बुलाया

❑ बैठक के दौरान अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या नहीं बता सके थे

कोलकाता : निर्वाचन आयोग ने बुधवार को बंगाल के एक निर्वाचन क्षेत्र से अपने सामान्य पर्यवेक्षक को वापस बुला लिया, क्योंकि उन्हें उस विधानसभा क्षेत्र के बारे में बुनियादी जानकारी नहीं थी जहां तैनात किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि पर्यवेक्षकों के साथ हुई बैठक के दौरान कूचबिहार दक्षिण सीट के सामान्य पर्यवेक्षक अनुराग यादव अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या नहीं बता सके, जिसके कारण निर्वाचन आयोग ने उन्हें तुरंत हटाने का आदेश दिया। आयोग के आदेश पर उन्हें तुरंत वापस बुला लिया गया। बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। अधिकारी ने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने यादव से उनके निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केंद्रों की संख्या के बारे में पूछा, तो वह घबराए हुए दिखे और जवाब देने से पहले उन्होंने कई मिनट का समय लिया और इसके बाद बताया कि कूचबिहार दक्षिण में 125 मतदान केंद्र हैं। निर्वाचन आयोग मतदान वाले राज्यों में सामान्य, व्यय और पुलिस पर्यवेक्षकों को तैनात करता है ताकि ये पर्यवेक्षक आयोग की आंख और कान बनकर काम कर सकें।

पश्चिम बंगाल चुनाव: सिविक, ग्रीन और छात्र पुलिस को चुनाव ड्यूटी से दूर रखने का निर्देश

कोलकाता : चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान सिविक पुलिस, ग्रीन पुलिस और छात्र पुलिस कर्मियों को किसी भी प्रकार की चुनाव संबंधी ड्यूटी में तैनात नहीं करने का निर्देश दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। चुनाव आयोग की ओर से राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भेजे गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि इन कर्मियों को वर्दी में किसी भी चुनावी कार्य में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह निर्देश पहले भी दिए गए आदेशों की पुनरावृत्ति है। इससे पहले 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए थे। आयोग ने राज्य के चुनाव तंत्र को यह भी कहा है कि इस निर्णय की जानकारी सभी संबंधित पक्षों, उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों को दी जाए ताकि इसका पालन सुनिश्चित हो सके। चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, यह कदम चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने और मतदान को स्वतंत्र एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

जेल से बाहर आते ही राकेश सिंह बने भाजपा उम्मीदवार, कोलकाता पोर्ट सीट से लड़ेंगे चुनाव

कोलकाता : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कोलकाता पोर्ट सीट से राकेश सिंह को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके साथ ही पार्टी ने राज्य की कुल 294 विधानसभा सीटों में से 293 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम जारी कर दिए हैं। इस बीच, भाजपा नेता राकेश सिंह मंगलवार दोपहर को प्रेसिडेंसी जेल से रिहा हुए। उन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम जमानत प्रदान की गई थी, ताकि वे कोलकाता पोर्ट सीट से चुनाव लड़ सकें। जेल से बाहर आते ही उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया , जिससे उनके प्रति स्थानीय स्तर पर समर्थन का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि रिहाई के समय तक भाजपा ने औपचारिक रूप से उन्हें उम्मीदवार घोषित नहीं

किया था लेकिन पार्टी ने उच्च न्यायालय को पहले ही सूचित कर दिया था कि राकेश सिंह ही इस सीट से उसके उम्मीदवार होंगे। अब आधिकारिक घोषणा के बाद यह स्थिति स्पष्ट हो गई है। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 9 अप्रैल निर्धारित की गई है और उम्मीद है कि राकेश सिंह उसी दिन अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

न्यायमूर्ति कौसिक चंदा ने अपने जमानत आदेश में यह स्पष्ट किया कि यदि राकेश सिंह को पार्टी से चुनाव लड़ने के लिए नामांकन नहीं मिलता है, तो राज्य सरकार उनकी जमानत रद्द करने के लिए आवेदन कर सकती है। इस टिप्पणी से अदालत ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि जमानत का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी तक सीमित रहे।

वहीं, राज्य सरकार ने राकेश सिंह की जमानत का विरोध करते हुए उनके आपराधिक रिकॉर्ड का हवाला दिया। सरकार के अनुसार, चुनाव आयोग के पोर्टल पर सिंह को अपराधिक रिकॉर्ड रखने वाले और उपद्रवी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। हालांकि राकेश सिंह ने उच्च न्यायालय में दलील दी कि उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों में उन्हें या तो नियमित जमानत या अग्रिम जमानत मिल चुकी है। उम्मीदवार घोषित होते ही राकेश सिंह ने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। बुधवार सुबह से ही उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में घर–घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। इसके अलावा उन्होंने कोलकाता पोर्ट इलाके के एक मंदिर में पूजा–अर्चना भी की।

चार जिलों की 7 सीटों पर उम्मीदवार बदले, 20 वर्ष बाद सभी 294 सीटों पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए राष्ट्रीय कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र जारी होने के 24 घंटे के भीतर ही दक्षिण बंगाल के चार जिलों की सात विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार बदल दिए हैं। वहीं 20 वर्ष बाद प्रदेश कांग्रेस इस बार राज्य की सभी 294 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार रही है।

मंगलवार को कोलकाता के एक होटल में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी का चुनाव घोषणा पत्र जारी किया गया था। इसके बाद बुधवार को पार्टी के संगठन महासचिव के. वेणुगोपाल ने बयान जारी कर उम्मीदवारों में

बदलाव की विस्तृत जानकारी दी। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सभी सीटों पर उम्मीदवारों के नाम भी घोषित कर दिए हैं।

पार्टी ने नदीया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और बर्धमान जिलों की सीटों पर बदलाव किया है। इसके तहत नदीया जिले की नाकाशीपाड़ा सीट से गोलाम किबरिया मंडल के स्थान पर ताहिर शेख को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि चापड़ा सीट से रहिदुल मंडल की जगह आसिफ खान को टिकट दिया गया है। उत्तर 24 परगना की हाबड़ा सीट पर पहले किसी उम्मीदवार की घोषणा नहीं हुई थी, लेकिन अब वहां से प्रणब भट्टाचार्य को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं मिनाखा सीट पर वर्णाली नस्कर की जगह सुनयना विश्वास को उम्मीदवार बनाया गया है।

दक्षिण 24 परगना जिले की मंदिरबाजार सीट पर पहले कौशिक बैद्य उम्मीदवार थे, लेकिन अब उनकी जगह चांद सरदार को टिकट दिया गया है। बर्धमान जिले की रायना सीट से अनिक साहा के स्थान पर पम्पा मलिक, केतुग्राम सीट से मफिरुल काशेम की जगह शेख अबु बक्कर और आउसग्राम सीट से निशा बड़ाल के स्थान पर तापस बड़ाल को उम्मीदवार बनाया गया है।

इन आठ सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होना है और नामांकन प्रक्रिया जारी है। ऐसे समय में उम्मीदवार बदलने के फैसले को लेकर राजनीतिक हलकों में सवाल उठने लगे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने उम्मीदवारों की घोषणा में पहले ही काफी देर कर दी थी। हालांकि प्रदेश कांग्रेस के एक वर्ग का मानना है कि अन्य राजनीतिक दलों की तुलना में उम्मीदवारों की सूची और पहले जारी की जानी चाहिए थी।

भाजपा ने निर्वाचन आयोग से ममता को चुनाव प्रचार से प्रतिबंधित करने का आग्रह किया

नयी दिल्ली/कोलकाता : भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके सहयोगियों के कथित 'भड़काऊ' बयानों को लेकर निर्वाचन आयोग के समक्ष चिंता व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि राज्य में 'अराजकता और भय' का माहौल बनाया जा रहा है तथा निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पार्टी ने निर्वाचन आयोग से केंद्रीय पुलिस बलों के खिलाफ टिप्पणियों के लिए प्राथमिकी दर्ज करने, बनर्जी पर अस्थायी तौर पर चुनाव प्रचार पाबंदी लगाने और राज्य में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कर्मियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। भाजपा के एक

प्रतिनिधिमंडल ने आयोग को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें आरोप लगाया गया कि तृणमूल कांग्रेस नेता संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने और राज्य में चुनाव ड्यूटी पर तैनात केंद्रीय बलों का मनोबल गिराने के प्रयास में 'भड़काऊ' बयान दे रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार और अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल थे। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने आरोप लगाया कि बनर्जी और उनके सहयोगियों द्वारा राज्य में दिए गए बयान बेहद 'शर्मनाक और निंदनीय' हैं और संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा कर रहे हैं तथा सुरक्षा कर्मियों के साथ टकराव को बढ़ावा दे रहे हैं। कुमार ने कहा, 'चुनाव के दौरान बंगाल में भय, आतंक और अराजकता का माहौल बनाया जा रहा है। देश की संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास की भावना भी पैदा की जा रही है।' उन्होंने कहा, ''जब राज्य का शीर्ष नेतृत्व कहता है कि सीआरपीएफ की 200 कंपनियां आ रही हैं और लोगों को अपने घरों में जो कुछ भी उपलब्ध है – बर्तन, करछी या कोई भी घरेलू वस्तु – उनका इस्तेमाल करके उन्हें भगा देना चाहिए, तो यह बेहद चिंताजनक है।'

अभिषेक बनर्जी के बयान पर भाजपा की चुनाव आयोग से शिकायत

आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

कोलकाता : भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए उन पर चुनाव के दौरान हिंसा भड़काने वाले बयान देने का आरोप लगाया है। पार्टी की ओर से दायर शिकायत में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के रैना में आयोजित एक चुनावी सभा में अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कथित रूप से हिंसात्मक भाषा का प्रयोग किया, जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की भावना के खिलाफ है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस प्रकार की टिप्पणियां न केवल राजनीतिक दलों के बीच तनाव बढ़ाती हैं बल्कि चुनावी माहौल को भी प्रभावित करती हैं। भाजपा ने इसे आदर्श आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन बताते हुए आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। भाजपा ने यह भी कहा कि चुनाव नियमों के अनुसार किसी भी उम्मीदवार या दल को ऐसी भाषा का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है जिससे नफरत फैले या हिंसा के लिए उकसावा मिले। पार्टी का कहना है कि इस तरह के बयान लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। पार्टी ने कहा कि वह निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और भयमुक्त चुनाव के लिए प्रतिबद्ध है और आयोग से भी इसी दिशा में कड़ी कार्रवाई की अपेक्षा करती है।

सरकारी कर्मचारियों को चेतावनी : राजनीतिक गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर दर्ज होगी एफआईआर

मुख्य सचिव का सख्त निर्देश, चुनाव को निष्पक्ष बनाने के लिए जिलाधिकारियों को जारी किए दिशा–निर्देश

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए राज्य प्रशासन ने सरकारी कर्मचारियों को सख्त चेतावनी जारी की है। राज्य के मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाल ने स्पष्ट कहा है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से राजनीतिक गतिविधियों में शामिल पाया जाता है, तो उसके खिलाफ न केवल विभागीय कार्रवाई होगी, बल्कि एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। इस संबंध में मुख्य सचिव ने सभी जिलाधिकारियों और जिला निर्वाचन अधिकारियों को विस्तृत निर्देश भेजे हैं। निर्देश में कहा गया है कि किसी भी कर्मचारी के खिलाफ राजनीतिक गतिविधियों में

संलिप्तता का प्रमाण मिलने पर उसे अनुशासनहीनता का दोषी माना जाएगा और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यह निर्देश चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जारी किया गया है। इसके तहत जिलाधिकारियों को आठ प्रमुख बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने को कहा गया है। इनमें मतदाताओं को डराने–धमकाने, प्रलोभन देकर वोट प्रभावित करने, फर्जी मतदान (छाप्पा वोट), बूथ जाम करने, तथा मतदाताओं को घर से मतदान केंद्र तक जाने से रोकने जैसी गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश शामिल हैं। प्रशासन का मानना है कि इन निर्देशों के सख्ती से पालन से चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और कानून–व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। चुनाव से पहले जारी इस कड़े संदेश को प्रशासनिक स्तर पर अनुशासन बनाए रखने और किसी भी प्रकार के राजनीतिक हस्तक्षेप को रोकने के लिए अहम कदम माना जा रहा है।

उत्तर बंगाल की जनसभा में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन का तृणमूल सरकार पर निशाना, परिवर्तन का किया आह्वान

कोलकाता : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और आगामी विधानसभा चुनाव में परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दार्जिलिंग की पहाड़ियों से लेकर सुंदरबन के द्वीपों तक तथा उत्तर बंगाल के चाय बागानों से लेकर कोलकाता की गलियों तक राज्य में बदलाव की मांग उठ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार के शासन में भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और अपराध बढ़े हैं। भाजपा अध्यक्ष ने अपने भाषण में तृणमूल कांग्रेस पर कट मनी, घोटालों और कानून व्यवस्था की खराब स्थिति को लेकर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा बन गया है और कई चर्चित घटनाओं ने राज्य की छवि को प्रभावित किया है। नितिन नवीन ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण श्रमिकों और युवाओं को कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य के कई इलाकों में श्रमिकों को प्रतिदिन 150 से 200 रुपये तक की मजदूरी पर काम करना पड़ता है, जबकि अन्य राज्यों में इससे अधिक भुगतान होता है। उन्होंने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ दिया जाएगा, खाली सरकारी पदों को भरा जाएगा तथा भर्ती घोटालों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भर्ती विवाद से प्रभावित युवाओं को आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने पर विचार किया जाएगा। भाजपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि चाय बागान क्षेत्रों के विकास, श्रमिकों के कल्याण और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए विशेष कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी राज्य के लोगों तक पूरी तरह पहुंचाया जाएगा। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने उत्तर बंगाल के मतदाताओं से भाजपा उम्मीदवार को समर्थन देने और राज्य में भाजपा सरकार बनाने की अपील की।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने जलपाईगुड़ी जिले में रोडशो किया

न्यूज ब्रीफ

आसनसोल-गोरखपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस आंशिक रूप से प्रभावित, भटनी जंक्शन तक सीमित संचालन

कोलकाता, समाज्ञा : गोरखपुर स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज निर्माण कार्य के कारण ट्रेन परिचालन में अस्थायी बदलाव किया गया है। उत्तर पूर्व रेलवे के अंतर्गत होने वाले इस कार्य के लिए ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके चलते ट्रेन संख्या 13507 आसनसोल-गोरखपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस (01 मई एवं 08 मई 2026 को प्रारंभ होने वाली यात्रा) को भटनी जंक्शन पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। वहीं, ट्रेन संख्या 13508 गोरखपुर-आसनसोल एक्सप्रेस (02 मई एवं 09 मई 2026 को प्रारंभ होने वाली यात्रा) का संचालन भटनी जंक्शन से शॉर्ट ओरिजिनेट किया जाएगा। रेलवे प्रशासन ने बताया कि यह निर्णय निर्माण कार्य को सुरक्षित और सुचारू रूप से पूरा करने के लिए लिया गया है।

वीवो का नया वी70 एफई लॉन्च, 200एमपी कैमरा और दमदार बैटरी से लैस, कीमत 37,999 से शुरू

कोलकाता, समाज्ञा : वीवो इंडिया ने अपना नया स्मार्टफोन वी70 एफई भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह डिवाइस प्रीमियम डिजाइन, एडवांस्ड एआई फोटोग्राफी और दमदार बैटरी के साथ पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार, फोन में 200एमपी ओआईएस अल्ट्रा-क्लियर मेन कैमरा दिया गया है, जो एआई फोटोग्राफी सूट के साथ बेहतर और स्मार्ट इमेजिंग अनुभव प्रदान करता है। स्मार्टफोन में 7000एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ 90डब्ल्यू फ्लैश चार्ज सपोर्ट मिलता है, जिससे लंबे समय तक उपयोग संभव है। यह डिवाइस ओरिजिनओएस 6 पर आधारित है, जो स्मूद परफॉर्मेंस और बेहतर यूजर अनुभव सुनिश्चित करता है। डिजाइन के मामले में, नॉर्दर्न लाइट्स पर्पल वेरिएंट में कंपनी की पहली डार्कनेस ग्लो टेक्नोलॉजी दी गई है, जो कम रोशनी में बैक पैनल को हल्का चमकदार बनाती है। फोन नॉर्दर्न लाइट्स पर्पल और मॉनसून ब्लू रंगों में उपलब्ध होगा।

आईकू ने अपनी छह साल की यात्रा का जश्न विशेष एनिवर्सरी ऑफर्स के साथ मनाया

कोलकाता, समाज्ञा : आईकू ने अपनी छह साल की यात्रा पूरी होने के अवसर पर विशेष एनिवर्सरी सेल शुरू की है। यह सेल 6 अप्रैल से 10 अप्रैल 2026 तक अमेजन और आईकू की आधिकारिक वेबसाइट पर आयोजित की जा रही है, जहां ग्राहक स्मार्टफोन्स पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं। इस सेल में आईकू 15, आईकू 15आर, आईकू 15 एपेक्स और एपेक्स जेड11एक्स जैसे मॉडलों पर विशेष छूट दी जा रही है। पिछले छह वर्षों में कंपनी ने भारत के युवा और टेक-सेवी उपभोक्ताओं के बीच अपनी मजबूत पहचान बनाई है और 70 लाख से अधिक यूजर्स का बड़ा समुदाय तैयार किया है। आईकू 15 जैसे फ्लैगशिप स्मार्टफोन में पावरफुल प्रोसेसर, 7000एमएएच बैटरी और प्रीमियम डिस्प्ले जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जबकि जेड-सीरीज के डिवाइस बेहतर परफॉर्मेंस और बैटरी के साथ मिड-रेंज सेगमेंट को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। कंपनी ने बताया कि सभी स्मार्टफोन 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत ग्रेटर नोएडा में बनाए जाते हैं और ग्राहकों को बेहतर सेवा देने के लिए देशभर में 650 से अधिक सर्विस सेंटर उपलब्ध हैं।

तृणमूल को हराने के लिए कांग्रेस को समर्थन, भरतपुर में उम्मीदवार नहीं उतारेंगे हुमायूं कबीर

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच मुर्शिदाबाद के भरतपुर सीट पर नया राजनीतिक समीकरण उभरता दिख रहा है। पूर्व विधायक और आम जनता उन्नयन पार्टी के नेता हुमायूं कबीर ने अपनी पार्टी की ओर से उम्मीदवार न उतारने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार, हुमायूं कबीर ने संकेत दिया है कि तृणमूल कांग्रेस को हराने के उद्देश्य से उनकी पार्टी इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेगी। इस फैसले के बाद भरतपुर विधानसभा क्षेत्र में मुकाबले का समीकरण बदलने की संभावना जताई जा रही है। सोमवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था, लेकिन हुमायूं कबीर की पार्टी ने इस सीट से उम्मीदवार नहीं उतारा। इससे राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गई हैं कि विपक्षी दलों के बीच अप्रत्यक्ष तालमेल बन रहा है। गौरतलब है कि भरतपुर विधानसभा सीट से हुमायूं कबीर पहले विधायक रह चुके हैं और क्षेत्र में उनका प्रभाव माना जाता है। ऐसे में उनका कांग्रेस को समर्थन देने का फैसला चुनावी नतीजों पर असर डाल सकता है।

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत में एलपीजी आपूर्ति सुचारू, 18 करोड़ से अधिक सिलेंडर वितरित

कोलकाता : वैश्विक ऊर्जा संकट के चलते जहां कई देशों में ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहीं भारत ने एलपीजी (रसोई गैस) की उपलब्धता को स्थिर बनाए रखते हुए बड़ी राहत दी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि 1 मार्च 2026 से अब तक देशभर में 18 करोड़ से अधिक एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा चुके हैं, जबकि प्रतिदिन 60 लाख से ज्यादा सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है।

मंत्रालय के अनुसार, भारत अपनी लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है और वैश्विक आपूर्ति का बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मूज) के जरिए आता है। ऐसे में सरकार ने समय रहते आपूर्ति सुनिश्चित करने, घरेलू उत्पादन बढ़ाने और विभिन्न देशों से आयात स्रोतों में विविधता लाने जैसे कदम उठाए, जिससे आपूर्ति श्रृंखला स्थिर बनी हुई है। औसतन एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी तीन दिनों में की जा रही है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में डिलीवरी में अस्थायी और स्थानीय स्तर की देरी देखने को मिली है, जो मांग में अचानक वृद्धि और अंतिम चरण की परिचालन बाधाओं के कारण हुई।

मंत्रालय ने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए वितरण प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है और फील्ड स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि देशभर में एलपीजी की कोई व्यापक कमी नहीं है और ओएमसी के साथ निरंतर समन्वय के जरिए स्थिति पर नजर रखी जा रही है। साथ ही प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों सहित उपभोक्ताओं को वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए भी संतुलित कदम उठाए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की ऊर्जा प्रणाली ने अपनी मजबूती और लचीलापन दिखाया है तथा सरकार हर घर तक सुरक्षित, किफायती और निर्बाध एलपीजी आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टीएमसी उम्मीदवार के 'बांग्लादेशवोट' हैशटैग पर गरमाई बंगाल की सियासत

❑ **भाजपा ने कहा-बंगाल को ग्रेटर बांग्लादेश बनाना चाहती है तृणमूल**

कोलकाता : बंगाल विधानसभा चुनाव के बीच दक्षिण 24 परगना जिले की मुस्लिम बहुल सोनारपुर दक्षिण सीट से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार लवली मैत्रा के एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। मतदाताओं से की गई वोट की अपील से संबंधी उनके पोस्ट में इस्तेमाल किए गए 'बांग्लादेशवोट' हैशटैग को लेकर विपक्षी दल भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है। जानकारी के अनुसार, लवली मैत्रा ने सोनारपुर दक्षिण क्षेत्र के मतदाताओं से अपील करते हुए फेसबुक पर एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें लोगों से वोट के माध्यम से भविष्य निर्माण में भागीदारी की बात कही गई थी। इस पोस्ट में कई हैशटैग का उपयोग किया गया, जिनमें 'बांग्लादेशवोट' भी शामिल था। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस बंगाल को ग्रेटर बांग्लादेश बनाना चाहती है और ममता बनर्जी ग्रेटर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं। वहीं, सोनारपुर दक्षिण से भाजपा उम्मीदवार रूपा गंगोपाध्याय ने भी इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि चुनाव बंगाल में लड़ा जा रहा है या बांग्लादेश में। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता रिजु दत्ता ने विवाद को कमतर बताते हुए कहा कि इंटरनेट मीडिया पोस्ट अक्सर टीम द्वारा संचालित किए जाते हैं और यह एक छोटी सी गलती हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा इस मुद्दे को अनावश्यक रूप से बढ़ा रही है। विवाद बढने के बाद यह पोस्ट हटा लिया गया। बता दें कि लवली मैत्रा के पति सौम्य राय आइ-पीएस अधिकारी हैं।

बंगाल चुनाव में निर्दलीयों के लिए 189 चुनाव चिन्ह, खाट से गैस सिलेंडर तक शामिल

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में निर्दलीय और गैर-मान्यता प्राप्त दलों के उम्मीदवारों के लिए चुनाव आयोग ने कुल 189 चुनाव चिन्हों को मंजूरी दी है। इन प्रतीकों में रोजमर्रा की जिंदगी में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं से लेकर कुछ राजनीतिक रूप से चर्चित चिन्ह भी शामिल हैं। आयोग की सूची में खाट, तकिया, गैस सिलेंडर, भिंडी, शिमला मिर्च जैसे सामान्य प्रतीकों के साथ-साथ हवाई चप्पल भी शामिल है, जो हाल के समय में राजनीतिक रूप से चर्चा में रहा है। इसके अलावा गर्मी के मौसम को देखते हुए एयर कंडीशनर, कूलर, फ्रिज, आइसक्रीम और तरबूज जैसे प्रतीक भी सूची में जगह पाए हैं। सूची में अन्य प्रतीकों में कमरबंद, बेबी वॉकर, फ्राइंग पैन, टिफिन बॉक्स, नूडल्स का कटोरा, मोबाइल चार्जर, कैंची, मोजे, पैंट, ट्यूबलाइट और मनी बैग जैसे कई आम उपयोग की वस्तुएं शामिल हैं। चुनाव प्रक्रिया में प्रतीकों का विशेष महत्व होता है, क्योंकि इन्हीं के आधार पर मतदाता उम्मीदवारों की पहचान करते हैं, खासकर तब जब उम्मीदवार किसी मान्यता प्राप्त दल से नहीं होते। हालांकि आयोग की सूची में लेडी पर्स जैसे कुछ प्रतीक भी शामिल हैं, लेकिन जानकारी के अनुसार इसे इस बार पश्चिम बंगाल में उपयोग की अनुमति नहीं दी जाएगी। चुनाव आयोग का मानना है कि इन विविध प्रतीकों के जरिए निर्दलीय उम्मीदवारों को पहचान बनाने में मदद मिलेगी और मतदाताओं के लिए चुनाव प्रक्रिया को अधिक सहज बनाया जा सकेगा।

शालीमार स्टेशन पर यात्री सुविधाओं की उच्चस्तरीय समीक्षा, वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने किया निरीक्षण

खड़गपुर : शालीमार रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों द्वारा उच्चस्तरीय निरीक्षण एवं समीक्षा की गई। इस दौरान प्रस्तावित यात्री होल्डिंग एरिया सहित विभिन्न सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया गया। निरीक्षण का नेतृत्व सोनाली मिश्रा, महानिदेशक, रेलवे सुरक्षा बल ने किया। उनके साथ सर्वप्रिय मयंक, अपर महानिदेशक, आरपीएफ उपस्थित रहे। इस अवसर पर सौमित्र मजूमदार, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। निरीक्षण में संजय कुमार मिश्रा, आईजी सह पीसीएससी/आरपीएफ, नवीन चंद्र कुमार, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) तथा ललित मोहन पांडेय, मंडल रेल प्रबंधक/खड़गपुर भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यात्री होल्डिंग एरिया, प्रतीक्षालय, स्वच्छता, दिव्यांगजन सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और स्टेशन की समग्र आधारभूत संरचना का गहन मूल्यांकन किया। विशेष रूप से यात्रियों की

आवाजाही को सुगम बनाने, सुरक्षा बढ़ाने और आरामदायक माहौल सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। बढ़ती यात्री संख्या और भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए स्टेशन को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और यात्री-अनुकूल बनाने के निर्देश दिए गए। यह निरीक्षण यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विवादों के बीच अधीर रंजन चौधरी की सुरक्षा बढ़ी, अब तैनात होंगे 10 जवान

❑ **हाल में चुनाव प्रचार के दौरान अधीर को कई जगह विरोध का करना पड़ा था सामना**

कोलकाता : विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। मुर्शिदाबाद की बहरमपुर सीट से उम्मीदवार अधीर की सुरक्षा में अब अतिरिक्त केंद्रीय जवान तैनात किए गए हैं। पांच नए जवान उनके सुरक्षा घेरे में शामिल हो चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब उनकी सुरक्षा में कुल 10 केंद्रीय जवान मौजूद रहेंगे, जिनमें महिला सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। इसके अलावा राज्य पुलिस के दो कांस्टेबल पहले से ही उनकी सुरक्षा में तैनात हैं। सांसद रहने के दौरान अधीर रंजन चौधरी को 'वाई प्लस' श्रेणी की केंद्रीय सुरक्षा प्राप्त थी, जिसमें पांच जवान तैनात रहते थे। हालांकि लोकसभा चुनाव हारने के बाद भी उनकी सुरक्षा वापस नहीं ली गई थी।

❑ **प्रचार के दौरान विरोध बना वजह :**

हाल ही में चुनाव प्रचार के दौरान अधीर रंजन चौधरी को कई जगह विरोध का सामना करना पड़ा था। उनके खिलाफ 'गो बैक' के नारे लगाए गए थे और महिलाओं ने भी आगे आकर प्रदर्शन किया था। इन घटनाओं को देखते हुए उनकी सुरक्षा बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस मुद्दे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। अभिषेक बनर्जी ने हाल ही में जलंगी की एक सभा में आरोप लगाया था कि अधीर की केंद्रीय सुरक्षा को लेकर केंद्र के साथ उनकी मिलीभगत है।

❑ **मुर्शिदाबाद में अधीर रंजन चौधरी के काफिले को ट्रक ने मारी टक्कर, कई सुरक्षाकर्मी घायल**

बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के काफिले को बुधवार शाम मुर्शिदाबाद के जिबंती इलाके में एक ट्रक ने टक्कर मार दी। घटना उस समय हुई जब वह कांदी में चुनाव प्रचार समाप्त कर बहरमपुर लौट रहे थे। इस हादसे में काफिले में शामिल कई सुरक्षाकर्मी और कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है।

न्यूटाउन में 14 हजार मतुआ मतदाताओं के नाम हटने का दावा

❑ **समुदाय के बीच असुरक्षा और नाराजगी बढ़ी**

कोलकाता : कोलकाता के राजरहाट-न्यूटाउन विधानसभा क्षेत्र में मतुआ समुदाय के हजारों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के आरोप ने राजनीतिक माहौल को गर्म कर दिया है। स्थानीय स्तर पर इसे लेकर असंतोष और चिंता का माहौल देखा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) प्रक्रिया के तहत राजरहाट-न्यूटाउन विधानसभा क्षेत्र में लगभग 14 हजार मतुआ समुदाय के लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने का दावा किया जा रहा है। इसको लेकर समुदाय के बीच असुरक्षा और नाराजगी बढ़ी है। मतुआ समुदाय से जुड़े नेता व अखिल भारतीय मतुआ महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष नवीन विश्वास ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया के कारण कई लोग खुद को बे-नागरिक जैसा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे समुदाय के बीच भय और असमंजस की स्थिति बनी हुई है और इसका असर आगामी मतदान पर पड़ सकता है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न्यूटाउन में नवीन विश्वास के घर जाकर मतुआ समुदाय के लोगों से मुलाकात की थी और नागरिकता को लेकर आश्वासन दिया था। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राजरहाट-न्यूटाउन क्षेत्र में मतुआ मतदाता एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां कुल मतदाताओं की संख्या लगभग 3.25 लाख है, जिनमें करीब 40 हजार मतुआ समुदाय से जुड़े बताए जाते हैं। इस मुद्दे पर राजरहाट-न्यूटाउन सीट से भाजपा के उम्मीदवार पीयूष कनोडिय़ा का कहना है कि यदि उनकी सरकार बनती है तो प्रभावित लोगों को नागरिकता दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। वहीं तृणमूल प्रत्याशी तापस चट्टोपाध्याय ने भाजपा पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया है।

पूर्व रेलवे स्टेशनों पर एआई की नजर, सुरक्षा व्यवस्था को मिली नई मजबूती

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को नई दिशा देते हुए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित निगरानी प्रणाली का व्यापक विस्तार किया है। इस आधुनिक व्यवस्था के तहत अब स्टेशनों पर 247 डिजिटल निगरानी के जरिए संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत नजर रखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, आईपी आधारित वीडियो सर्विलांस सिस्टम (वीएसएस) में हाई-डेफिनिशन कैमरे, फेस रिकग्निशन तकनीक और उन्नत स्टोरेज क्षमता शामिल है। निर्भया फंड से वित्त पोषित यह प्रणाली विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। स्टेशन के प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर और पार्किंग क्षेत्रों में कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी निगरानी स्थानीय

आरपीएफ पोस्ट, मंडल कार्यालय और क्षेत्रीय मुख्यालय स्तर पर की जाती है।

एआई तकनीक के उपयोग से अब भीड़भाड़ में खोए बच्चों या संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कुछ ही सेकंड में संभव हो गई है, जिससे त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस परियोजना का विस्तार करते हुए पहले से स्थापित 191 स्टेशनों के अलावा 63 स्टेशनों पर 1,243 कैमरे लगाए गए। इनमें हावड़ा मंडल के 14, सियालदह के 47 और मालदह के 2 स्टेशन शामिल हैं। आसनसोल मंडल में भी 16 आरपीएफ चौकियों पर 48 सीसीटीवी कैमरे लगाकर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। इसके अतिरिक्त, 20 छोटे स्टेशनों को भी इस नेटवर्क में शामिल किया गया है। जमीनी स्तर पर आरपीएफ द्वारा कई अभियान चलाए जा रहे हैं। ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत 1,407 बच्चों को बचाया गया, जबकि ऑपरेशन आहट में 68 तस्करों से 124 बच्चों को मुक्त कराया गया। इन अपराधों की रोकथाम के लिए 70 एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स सक्रिय हैं। ऑपरेशन डिग्निटी के तहत 136 वयस्कों, जिनमें 84 महिलाएं शामिल हैं, को सहायता प्रदान की गई। इसके साथ ही 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' पहल के तहत एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को स्टॉल उपलब्ध कराकर उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी कदम उठाया गया है। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि ये सभी पहलें रेलवे परिसरों को अधिक सुरक्षित, संवेदनशील और समावेशी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं।

बंडेल में पथराव की घटना पर सियासत गरम, तृणमूल ने भाजपा पर लगाए आरोप, पार्टी ने किया खारिज

हुगली : विधानसभा चुनाव से पहले हुगली जिले के बैंडेल इलाके में एक बार फिर राजनीतिक तनाव का मामला सामने आया है। तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता के घर और वाहन पर पथराव किए जाने का आरोप भाजपा समर्थकों पर लगाया गया है, जिससे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। जानकारी के अनुसार, बंडेल के न्यू मस्जिद इलाके के निवासी प्रदीप झा, जो तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं, ने आरोप लगाया कि मंगलवार देर रात करीब दो बजे अज्ञात लोगों ने उनके घर पर पथराव किया। उस समय परिवार के सभी सदस्य सो रहे थे। अचानक खिड़की का शीशा टूटने की आवाज सुनकर वे जागे और देखा कि कांच टूटकर कमरे के अंदर बिखर गया है। प्रदीप झा ने यह भी बताया कि उनके घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो गाड़ी को भी निशाना बनाया गया। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कथित रूप से दो लोगों को इलाके में घूमते और पत्थर फेंककर भागते हुए देखा गया है। उन्होंने दावा किया कि वह आरोपितों को पहचानते हैं और वे भाजपा से जुड़े हैं। उनका कहना है कि पहले भी दोनों दलों के बीच विवाद हो चुका है और आरोपितों का आपराधिक गतिविधियों से संबंध रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि चुनाव के दौरान इस तरह की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। घटना को लेकर तृणमूल कार्यकर्ता ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और आरोप लगाया कि भाजपा ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। वहीं, भाजपा ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए इसे स्थानीय विवाद बताया और कहा कि मामले को बेवजह राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है और मामले की छानबीन जारी है।

मानिकतला निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार श्रेया पांडे ने बारिश की परवाह किए बिना वोट के लिए प्रचार किया।

न्यूज अपडेट

कोलकाता में मर्लिन ग्रुप पर ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत कार्रवाई

कोलकाता : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन जांच के सिलसिले में बुधवार को कोलकाता की रियल एस्टेट कंपनी मर्लिन ग्रुप और उसके प्रमोटरों के ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार कंपनी और उसके प्रमोटर सुशील मोहता तथा साकेत मोहता से जुड़े लगभग सात ठिकानों पर धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत तलाशी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई पर कंपनी की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। जांच एजेंसी के अनुसार कंपनी और उसके प्रमोटर कथित तौर पर जाली दस्तावेजों के माध्यम से स्वामित्व की फर्जी श्रृंखला तैयार करने और जमीन कब्जाने के आरोपों के दायरे में हैं। ईडी का आरोप है कि आरोपितों ने कथित रूप से कब्जाई गई जमीन का व्यावसायिक उपयोग करते हुए बड़े स्तर पर रियल एस्टेट परियोजनाएं शुरू कीं। साथ ही जाली दस्तावेजों के आधार पर खुद को वैध मालिक बताकर लोगों को अपनी परियोजनाओं में बड़ी राशि निवेश करने के लिए प्रेरित किया। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। राज्य में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान प्रस्तावित है।

मानिकतला विधानसभा केंद्र के भाजपा उम्मीदवार तापस राय ने नामांकन दाखिल किया

जोड़ासांको विधानसभा निर्वाचन केंद्र से भाजपा प्रत्याशी विजय ओझा ने दाखिल किया नामांकन

रेलवे चलाएगा चार समर स्पेशल ट्रेनें, गर्मी में बढ़ती भीड़ को मिलेगी राहत

कोलकाता, समाज्ञा : रेलवे द्वारा चार समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। ये ट्रेनें कोलकाता-बनारस, कोलकाता-गोरखपुर, आसनसोल-पोरबंदर और मालदह टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी के बीच चलाई जाएंगी। इसके तहत, ट्रेन संख्या 05048 बनारस-कोलकाता स्पेशल प्रत्येक मंगलवार (14 अप्रैल 2026 से 28 अप्रैल 2026) को सुबह 10:45 बजे बनारस से प्रस्थान कर अगले दिन सुबह 06:15 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वहीं, 05047 कोलकाता-बनारस स्पेशल प्रत्येक बुधवार (15 अप्रैल 2026 से 29 अप्रैल 2026) को सुबह 08:25 बजे कोलकाता से चलकर अगले दिन 04:15 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन नैहाटी, बंडेल, वर्दवान, दुर्गापुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर और जसीडीह स्टेशनों पर रुकेगी तथा इसमें वातानुकूलित श्रेणी उपलब्ध होगी। इसी प्रकार, 05032 गोरखपुर-कोलकाता स्पेशल प्रत्येक रविवार (12 अप्रैल 2026 से 26 अप्रैल 2026) को सुबह 10:05 बजे गोरखपुर से चलकर अगले दिन 05:40 बजे कोलकाता पहुंचेगी। 05031 कोलकाता-गोरखपुर स्पेशल प्रत्येक सोमवार (13 अप्रैल 2026 से 27 अप्रैल 2026) को सुबह 08:25 बजे कोलकाता से प्रस्थान कर अगले दिन 04:30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में जनरल द्वितीय श्रेणी, स्लीपर और एसी कोच उपलब्ध होंगे तथा मार्ग में वही प्रमुख स्टेशन पड़ाव होंगे। ट्रेन संख्या 09205 पोरबंदर-आसनसोल स्पेशल प्रत्येक सोमवार (13 अप्रैल 2026 से 29 जून 2026) को सुबह 08:50 बजे पोरबंदर से चलकर तीसरे दिन सुबह 06:45 बजे आसनसोल पहुंचेगी। वापसी में 09206 आसनसोल-पोरबंदर स्पेशल प्रत्येक बुधवार (15 अप्रैल 2026 से 01 जुलाई 2026) को रात 11:05 बजे आसनसोल से चलकर तीसरे दिन रात 09:50 बजे पोरबंदर पहुंचेगी। इस ट्रेन में भी जनरल, स्लीपर और एसी कोच होंगे। वहीं, 05754 न्यू जलपाईगुड़ी-मालदह टाउन स्पेशल प्रत्येक गुरुवार, शुक्रवार, रविवार, सोमवार और मंगलवार (09 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026) को सुबह 09:00 बजे न्यू जलपाईगुड़ी से चलकर उसी दिन दोपहर 02:45 बजे मालदह टाउन पहुंचेगी। 05753 मालदह टाउन-न्यू जलपाईगुड़ी स्पेशल उसी दिन दोपहर 03:45 बजे मालदह टाउन से चलकर रात 09:10 बजे न्यू जलपाईगुड़ी पहुंचेगी। इस ट्रेन में भी जनरल, स्लीपर और एसी कोच उपलब्ध रहेंगे।

उत्तर हावड़ा सीट पर कांटे की टक्कर, हिंदी भाषी मतदाताओं पर टिकी नजर

हावड़ा, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव को लेकर उत्तर हावड़ा सीट पर तृणमूल और भाजपा के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है। इस सीट पर करीब 65 फीसदी हिंदी भाषी मतदाता हैं, जो किसी भी उम्मीदवार की जीत-हार में निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में दोनों दलों ने इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में सोमवार को वार्ड नंबर 10 में तृणमूल कांग्रेस की पूर्व पार्षद व बोरो चेयरपर्सन मंजीत रफेल ने घर-घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने लोगों से मुलाकात कर तृणमूल प्रत्याशी गौतम चौधरी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। बताया जा रहा है कि वार्ड नंबर 10 उत्तर हावड़ा का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां लगभग 60 फीसदी मतदाता हिंदी भाषी हैं। ऐसे में यह वार्ड चुनावी समीकरण में अहम भूमिका निभा सकता है और दोनों प्रमुख दलों की नजरें इस क्षेत्र पर टिकी हुई हैं।

चुनाव से पहले जेलों में सख्ती, औचक जांच अनिवार्य, कैदियों की पैरोल पर रिहाई पर रोक

❑ जेलों में सिग्नल अवरोधक यंत्रों की प्रभावशीलता की रोजाना जांच करने का निर्देश

कोलकाता : बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने राज्य के सभी सुधारगृहों (जेलों) में कड़ी निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए हैं। आयोग के निर्देशानुसार, सभी जेलों में नियमित रूप से औचक जांच की जाएगी। यह जांच उप महानिरीक्षक या अधीक्षक स्तर के अधिकारियों की निगरानी में होगी। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी कैदी को पैरोल, फरलो या अस्थायी रिहाई नहीं दी जाएगी। हालांकि, अत्यंत मानवीय कारणों के आधार पर अपवादस्वरूप रिहाई दी जा सकती है, लेकिन इसके लिए संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी की लिखित अनुमति अनिवार्य होगी।

जेलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल को पूरी तरह रोकने के लिए सिग्नल अवरोधक यंत्रों की प्रभावशीलता की रोजाना जांच करने का निर्देश दिया गया है। यदि किसी तरह की तकनीकी खामी सामने आती है, तो उसे तुरंत ठीक करना होगा। साथ ही, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, नकदी, मादक पदार्थ और अन्य प्रतिबंधित सामान की बरामदगी के लिए सघन तलाशी अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए हैं। आयोग ने चुनाव प्रचार के दौरान, मतदान से 48 घंटे पहले और मतदान के दिन विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। जिला प्रशासन और जेल प्रबंधन को मिलकर निवारक कदम उठाने होंगे। खास तौर पर कुख्यात अपराधियों पर कड़ी नजर रखने और उनसे मिलने आने वाले परिजनों की जांच को सख्त करने का निर्देश दिया गया है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना मिलने पर तुरंत जिला निर्वाचन अधिकारी को सूचित करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, इन निर्देशों के पालन की नियमित रिपोर्ट भी आयोग को भेजनी होगी। सप्ताह में दो बार प्रगति रिपोर्ट के साथ-साथ पहले और दूसरे चरण के मतदान के बाद विशेष रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि इन निर्देशों के पालन में किसी भी तरह की ला-परवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उत्तरपाड़ा में छात्राओं से कथित दुष्कर्म पर बवाल, एफआईआर के बाद आरोपित शिक्षक गिरफ्तार

हुगली : उत्तरपाड़ा इलाके में एक सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक पर छात्राओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप सामने आने के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। मामले को लेकर उत्तरपाड़ा विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार दीपांजन चक्रवर्ती ने पुलिस पर शुरुआत में कार्रवाई न करने और मामले को दबाने का आरोप लगाया था। इसके बाद एफआईआर दर्ज होने के पश्चात बुधवार को आरोपित शिक्षक की गिरफ्तारी की पुष्टि हुई है। दीपांजन चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि यह अमानवीय घटना करीब 15 दिनों तक चलती रही।

उनके अनुसार, जब पीड़ित छात्राओं के परिजन शिकायत लेकर थाने पहुंचे, तब कथित रूप से सत्ताधारी दल के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा पुलिस पर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

LOST & FOUND

Notice is hereby given that the original property deed bearing Deed No. P1256 / I1176, dated 09-09-1998, registered at the office of KADAMBAGACHI Sub-Registrar Office 24 Prgs N,relating to property situated at Katgola More, Noapara Barasat Pin 700125 24 Prgs N, in the name of 1. Arun Krishna Paul 2. Arijit Paul 3. Tista Paul 4. Rubita Paul, has been lost. Despite best efforts, the document could not be traced. Police G.D. (No.:808) Dated 07/04/26 at Nagerbazar Police Station. Any person having any claim, objection, or interest in respect of the said property is requested to inform the undersigned in writing within 15 days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no claim exists and necessary legal steps will be taken.

Arun Krishna Paul
107/1, Debi Nivas Road Dum Dum Kol-74
Ph- 7980822045
Date : 07/04/2026

33 केवी रेलवे फीडर का आवर्धन

निविदा सूचना सं. TSK/Elect/234 दिनांकः 02-04-2026। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया है: **निविदा सं. LV-T-14-TSK-933-R। आइटम का संक्षिप्त विवरणः** तिनसुकिया मंडल में 132/33 केवी डिब्रूगढ़ जीएसएस से डिब्रूगढ़ टाउन पॉवर हाउस तक 33 केवी रेलवे फीडर का आवर्धन, बोगीबिल क्षेत्र में 11 केवी नेटवर्क का आवर्धन। **निविदा राशिः** ₹1,73,17,320/-। **धरोहर राशिः** ₹3,46,400/-। **ई-निविदा बंद होगी 24-04-2026** तारीख **के 13.00** बजे में और खुलेगी **24-04-2026** तारीख **के 15.00** बजे में। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण **www.ireps.gov.in** पर **24-04-2026** तारीख **के 13.00** बजे तक उपलब्ध रहेगी।

डीआरएम (इलेक्ट), तिनसुकिया
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-ओएफसी-डार्क-फाइबर-एचडब्ल्यूएच, दिनांक: 07.04.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.: एसडीएसटीई-ओएफसी-डार्क-फाइबर-एचडब्ल्यूएच के तहत खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल के तहत यूएफएसबीआई/एसएसबीपीएसी के लिए दोनों ओएफसी (ई1 चैनल या डार्क फाइबर) और क्वाड मीडिया का प्रावधान। **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 8,83,89,701.17, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 17,67,800/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **समापन अवधि:** 12 माह। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 16.04.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 30.04.2026 को 15.00 बजे। संपूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में देखा जा सकता है। HWH-16/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

NAME CHANGE

I,Md Jamil Ansari S/O Md.Kalim Residing at Satya Dayal Banerjee Street,P.O.-Telinipara,P.S.-Bhadreswar,Dist-Hooghly,Pin-712125.Wb.My mother's actual name is Sahanaj Khatun .But my mother's spelling written in my passport as Shahnaj Khatoon in place of Sahanaj Khatun vide an affidavit before the 1st class judicial magistrate at Chandernagore.Affidavit no-3435.Date-06.04.2026.That Shahnaj Khatoon and Sahanaj Khatun both are the same and one identical Women.

बाली में सियासी पारा गरम, भाजपा उम्मीदवार ने तृणमूल पर लगाए डराने-धमकाने के आरोप

❑ चुनाव आयोग की भूमिका पर भी सवाल

हावड़ा : विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही बाली क्षेत्र में राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। इसी बीच भाजपा उम्मीदवार संजय सिंह ने पत्रकार वार्ता कर तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि तृणमूल उम्मीदवार कैलाश मित्रा के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर भाजपा समर्थकों और कार्यकर्ताओं को डरा-धमका रहे हैं तथा उन्हें जबरन तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के लिए दबाव बना रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि कई भाजपा समर्थकों ने उनके पास आकर अपनी मजबूरी जताई है कि उन्हें दबाव में आकर पार्टी बदलनी पड़ रही है।

इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमिशन ऑफ इंडिया को कई बार लिखित शिकायत दी गई है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। भाजपा उम्मीदवार ने पो-लिंग बूथ व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में 300 से अधिक मतदाता हैं, वहां कई स्थानों पर बूथ नहीं बनाए गए हैं, जबकि अन्य जगहों पर ऐसी ही स्थिति में बूथ की व्यवस्था की गई है। उन्होंने इस असमानता के लिए सीधे तौर पर चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ आवासीय परिसरों में तृणमूल कार्यकर्ताओं ने लोगों को डराकर उनसे लिखवा लिया कि वहां पोलिंग बूथ नहीं बनाया जाएगा, जिससे मतदाताओं के स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान के अधिकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। चुनाव आयोग की भूमिका पर नाराजगी जताते हुए संजय सिंह ने कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद आयोग की ओर से कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है।

इस पूरे मामले को लेकर बाली विधानसभा क्षेत्र में सियासी तनाव चरम पर पहुंच गया है और चुनाव नजदीक आने के साथ आरोप-प्रत्यारोप का दौर और तेज हो गया है।

NAME CHANGE

I KETAN DOSHI, son of Kishor Doshi aged 53years, residing at 8/1b Justice chandra madhav road Bhowanipur Kolkata 700 020. P.O - LR Sarani West Bengal do hereby solemnly affirm before the notary public at kolkata by affidavit on 9th of April2026 that both names 'Ketan Doshi' and 'Ketan Kishor Doshi' indicates me as one and same identical person and not two different persons. in some documents & papers my name has been recorded as Ketan Doshi and in some documents it has been recorded as Ketan Kishor Doshi.

NAME CHANGE

I,SHAIKH ASIF WAJUDDIN(OLD NAME), SON OF WAJUDDIN SHAIKH, RESIDING AT VILL & PO - KASBAGOLA, PS-EGRA, EAST MEDINIPUR -721447, WEST BENGAL, HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HENCEFORTH BE KNOWN AS SHAIKH ASIF(NEW NAME) VIDE AN AFFIDAVIT SWORN BEFORE THE NOTARY PUBLIC AT KOLKATA ON 08/04/2026.SHAIKH ASIF WAJUDDIN AND SHAIKH ASIF BOTH ARE THE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं.: सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/04 दिनांक : 06.04.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा हावड़ा मंडल के तहत ट्रेन नं. 12019/12020 हावड़ा-रांची-हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस में ऑनबोर्ड फ्री लाइफस्टाइल मैगजीन के वितरण के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-04

क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: एमएमएस-मोबजेन-137608-1-26-1 (एमआईएससी-मोबाइल-सर्विसेस-मोबाइल जनरल), विवरण: ट्रेन नं. 12019/12020 हावड़ा-रांची-हावड़ा शताब्दी एक्सप्रेस में ऑनबोर्ड फ्री लाइफस्टाइल मैगजीन के वितरण के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 21.04.2026 को 14.00 बजे। HWH-14/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/26/05 दिनांक : 06.04.2026 वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों का अनुबंध प्रदान करने के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-26-05

क्रम सं. : एए/1, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएसएन-123-24-1 [विज्ञापन-स्टेशन परिसर पर (नॉन-डिजिटल)], विवरण: तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए हावड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्मों पर एलईडी फ्लैंज के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं. : एबी/1, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एनडीएई-ओएच-157-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), विवरण:** नबद्वीपधाम रेलवे स्टेशन के अस्थायी बुकिंग कार्यालय के पास सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **क्रम सं. : एबी/2, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-केडब्ल्यूएई-ओएच-156-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), विवरण:** कटवा रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **क्रम सं. : एबी/3, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-डीकेएई-ओएच-160-25-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), विवरण:** डानकुनी रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से रेलवे सूचना और वाणिज्यिक विज्ञापन के परिचालन, रखरखाव एवं प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं. : एबी/4, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एजेड-ओएच-163-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), विवरण:** आजिमगंज रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 50:50 समय/स्थान साझा करने के आधार पर रेलवे द्वारा स्थापित 01 (एक) वीडियो वॉल (एलईडी स्क्रीन) के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के दायरे के साथ रेलवे सूचना के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अधिकार प्रदान करना। **क्रम सं. : एबी/5, लॉट सं.: एडीवीटी-एचडब्ल्यूएच-एचडब्ल्यूएच-ओएच-142-26-1 (विज्ञापन-आउट ऑफ होम), विवरण:** हावड़ा रेलवे स्टेशन में मनुमेंटल फ्लैग एरिया के सामने 04 (चार) ग्लोबॉल टावरों की स्थापना और रखरखाव के माध्यम से वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि एवं समय:** दिनांक 22.04.2026 को 12.00 बजे प्रत्येक हेतु। HWH-12/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

स्पेशल ट्रेनें

बनारस एवं कोलकाता तथा गोरखपुर एवं कोलकाता के बीच

आगामी ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, **05048/05047 बनारस-कोलकाता-बनारस स्पेशल** तथा **05032/05031 गोरखपुर-**कोलकाता-गोरखपुर स्पेशल ट्रेनें नीचे उल्लेखित संक्षिप्त समय-सारणी, ठहराव, यात्रा के दिनों एवं गठन के अनुसार चलाई जाएंगी:-

05048/05047 बनारस-कोलकाता-बनारस स्पेशल ट्रेन

बनारस-कोलकाता			(05048) (05047)	कोलकाता-बनारस		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
मंगलवार	-	10.45	↓ बनारस	04.15	-	गुरुवार
	23.08	23.10	जसीडीह जंक्शन	14.16	14.18	बुधवार
बुधवार	01.02	01.07	आसनसोल जंक्शन	12.43	12.48	
	04.28	04.30	बैण्डेल जंक्शन	09.52	09.54	
	06.15	-	कोलकाता ↑	-	08.25	

उपरोक्त स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में वाराणसी जंक्शन, औंड़िहार जंक्शन, गाजीपुर सिटी, बलिया, रेवती, सुरेमनपुर, छपरा जंक्शन, दिघवारा, सोनपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, शाहपुर पटोरी, बरौनी जंक्शन, किऊल जंक्शन, झाझा, मधुपुर जंक्शन, चित्तरंजन, दुर्गापुर, बर्द्धमान जंक्शन एवं नैहाटी जंक्शन स्टेशनों में भी ठहरेंगी। **यात्रा की तिथियाँ एवं दिन: बनारस से - 05048** दिनांक 14/04, 21/04 एवं 28.04.2026 (मंगलवार)=03 ट्रिप। **कोलकाता से - 05047** दिनांक 15/04, 22/04 एवं 29.04.2026 (बुधवार)=03 ट्रिप। **गठन:** वातानुकूलित 3-टीयर इकोनॉमी-20 एवं पावर कार-02=22 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस।

05032/05031 गोरखपुर-कोलकाता-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन

गोरखपुर-कोलकाता			(05032) (05031)	कोलकाता-गोरखपुर		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
रविवार	-	10.05	↓ गोरखपुर	04.30	-	मंगलवार
	22.37	22.39	जसीडीह जंक्शन	14.16	14.18	सोमवार
सोमवार	00.35	00.40	आसनसोल जंक्शन	12.43	12.48	
	03.14	03.16	बैण्डेल जंक्शन	09.52	09.54	
	05.40	-	कोलकाता ↑	-	08.25	

उपरोक्त स्पेशल ट्रेनें यात्रा के दौरान दोनों दिशाओं में मार्ग में कप्तानगंज जंक्शन, रामकोला, पडरौना, तमकुही रोड, थावे जंक्शन, सीवान, छपरा जंक्शन, सोनपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, शाहपुर पटोरी, बरौनी जंक्शन, किऊल जंक्शन, झाझा, मधुपुर जंक्शन, चित्तरंजन, दुर्गापुर, बर्द्धमान जंक्शन एवं नैहाटी जंक्शन स्टेशनों में भी ठहरेंगी। **यात्रा की तिथियाँ एवं दिन: गोरखपुर से - 05032** दिनांक 12/04, 19/04 एवं 26.04.2026 (रविवार)=03 ट्रिप। **कोलकाता से - 05031** दिनांक 13/04, 20/04 एवं 27.04.2026 (सोमवार)=03 ट्रिप। **गठन:** वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01, वातानुकूलित 2-टीयर-02, वातानुकूलित 3-टीयर-09, शयनयान श्रेणी-04, साधारण द्वितीय श्रेणी (एलएस)-04, पावर कार-01 एवं एलएसएलआरडी-01=22 कोच। **श्रेणी:** मेल/एक्सप्रेस। **मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक**

पूर्व रेलवे

Format C-7

[Sl. No.8A. Murshidabad (55), Phage of Election: FIRST; Date of Election: 23.04.2026]

(For Political Party to publish in the 2 Newspapers, Social Media Platforms & Website of the Party)

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates. (As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 566 of 2011)

Name of Political Party : **Communist Party of India (Marxist)**
*Name of Election : **General Election to the Legislative Assembly, 2026**
Name of State/ UT : **West Bengal**

Sl. No of the Candidate	Sl. No.		1							2	3
	Name of the Constituency	Name of the Candidate	A Nature of the offences	b Case No.	c Name of the Court	d Whether charges have been frames or not (Yes/ No)	e Date of Conviction, if any	f Date of Punishment undergone, if any	g Any other information required to be given	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere ""winnability" at the pools (not more than 100 words)	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidate (not more than 100 words)
01	55-FARAKKA	MOJAFFAR HOSSAIN	U/S 147/148/148/323/337/338/ 325/ 08/353/427/448/379/342/506 OF I.P.C ,Sec 3 of P.D.P.P Act & SEC 9 OF M.P.O ACT Unlawful Assembly, Destruction Of Public Property & Attempting To Commit Culpable Homicide	G.R NO1827/2013 ACJM Court Jangipur Murshidabad	ACJM COURT JANGIPUR MURSHIDABAD	NO	NA	NA	NA	The Candidate has been falsely implicated in two cases by the political rivals with concocted allegations.	They have been chosen as their political activities require to be vindicated by the people to prove that such false allegations are not appreciated. Thus, preferences have been given on these Candidates than other candidates having no criminal antecedents.

Sd/- Md Salim
MD SALIM; Designation: Secretary, West Bengal State Committee;
Communist Party of India (Marxist)

Format C-7

[Sl. No.11B+C. South 24 Parganas (155) Phase of Election: 2; Date of Election: 29.04.2026.]

(For Political Party to publish in the 2 Newspapers, Social Media Platforms & Website of the Party)

Information regarding individuals with pending criminal cases, who have been selected as candidates, along with the reasons for such selection, as also as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidates.(As per the Commission's directions issued in pursuance of the Order dated 13.02.2020 of the Hon'ble Supreme Court in contempt petition(C) no. 2192 of 2018 in WP(C) no. 566 of 2011)

Name of Political Party : **Communist Party of India (Marxist)**
*Name of Election : **General Election to the Legislative Assembly, 2026**
Name of State/ UT : **West Bengal**

Sl. No of the Candidate	Sl. No.		1							2	3
	Name of the Constituency	Name of the Candidate	a Nature of the offences	b Case No.	c Name of the Court	d Whether charges have been frames or not (Yes/No)	e Date of Conviction, if any	f Details of Punishment undergone, if any	g Any other information required to be	The reasons for the selection of the candidate. Selection shall be with reference to the qualifications, achievements and merit of the candidate, and not mere "winnability" at the pools (not more than 100 words)	Reasons as to why other individuals without criminal antecedents could not be selected as candidate (not more than 100 words)
1	155. MAHESHTAL	SAYAN BANNERJEE	U/S 186/188/ 189/283/353/506/ 34 of I.P.C.	BIDHAN NAGAR EAST P.S case No 149/2021 i.c.u. G.R.CASE NO 1442/2021	Ld. ACJM Bidhan Nagar	NO	NA	NA	NA	These Candidates have been falsely implicated out of politically vengeance. They are being the popular Leaders and works for the people throughout the year to ensure their constitutional rights.	They have chosen as their political activities require to be vindicated by the people to prove that such false allegations are not appreciated. Thus preferences have been given on these candidates than other candidates having no criminal antecedents
2	136 JOYNAGAR (SC)	APURBA PRAMANIK	1) U/S 174(A)/147/145 OF (Railway Act) 2) U/S 174(A)/147/145 OF (Railway Act) 3) U/S 323/506/34 IPC	1) 175/20 2) 74/22 3) 348/24	1. RAILWAY MAGISTRATE COURT 2. RAILWAY MAGISTRATE COURT	NO	NA	NA	NA		
3	137 BARUIPU	SWAPAN NASKAR	1) U/S 147/148/149/ 427448 IPC 2) U/S 148/325/506 IPC	1) BGR 3194 BARUIPUR 2) GR – 805/2005/ JM BARUIPUR	1. Baruipur Court 2. Baruipur Court	NO	NA	NA	NA	These Candidates have been falsely implicated out of politically vengeance. They are being the popular Leaders and works for the people throughout the year to ensure their constitutional rights.	They have chosen as their political activities require to be vindicated by the people to prove that such false allegations are not appreciated. Thus preferences have been given on these candidates than other candidates having no criminal antecedents
4	151 SONARPUR UTTAR	MONALISA SINHA	U/S 143/341/283/ 188 OF IPC	142/2021	6th J.M. Kolkata	NO	NA	NA	NA		

Sd/-Md. Salim
Secretary, West Bengal State Committee; Communist Party of India (Marxist)

विभिन्न स्नान और उनके लाभ

नीतू गुप्ता

विभिन्न स्नानों का नाम पढ़ कर थोड़ी सी हैरानी हो सकती है कि नहाना तो नहाना होता है। इसमें विभिन्नता कैसी। आम जनता नहाने का अर्थ मात्रा शरीर की सफाई समझती है और उनके लिए स्नान तो तालाब, कुएं, नदी, नल और शॉवर के नीचे ही होता है।

वैसे तो प्रायः सब लोग प्रतिदिन स्नान करते हैं परन्तु कुछ ऐसे स्नान भी हैं जो अधिक स्फूर्ति प्रदान करते हैं और स्वास्थ्य लाभ देते हैं। आइये जानें कुछ ऐसे स्नान जो हमें कई रोगों से दूर रखते हैं।

कटि स्नानः-

पेट की बीमारियों में कटि स्नान बहुत उपयोगी होता है। अधिकतर बीमारियां पेट से ही होती हैं। यदि प्रारम्भ से ही इन्हें रोक दिया जाये तो कई बीमारियों से बचा जा सकता है। कटि स्नान हेतु एक बड़े टब में पानी भरा जाता है। पानी इतना होना चाहिए जिसमें नितम्ब डूब सकें और नाभि से ऊपर पेट तक पानी रह सके। टब ऐसा हो जिसमें आराम से बैठा जा सके। टब का पानी मौसम के अनुसार ताजा या हल्का गुनगुना रखें। प्रारम्भ में इसमें 5-10 मिनट तक बैठना चाहिए। धीरे-धीरे इसे आधे घंटे तक बढ़ा सकते हैं। खुरदरे तौलिये को गोल लपेट कर नाभि के नीचे दाएं से बाएं रगड़ें, फिर बाएं से दाएं ताकि पेट में जो खाना जमा पड़ा है,

वह धीरे-धीरे ढीला होकर बाकी खाने के साथ मिल कर मल द्वारा बाहर निकल जाये और पेट स्वच्छ और निर्मल हो जाये। ध्यान रखें बस शरीर के वही भाग भीगें जो टब के अन्दर हों। बाकी शरीर गीला न हो नहीं तो कटि स्नान का महत्त्व खत्म हो जायेगा।

यदि कोई रोगी इस स्नान का लाभ उठा रहा हो तो स्नान के बाद रोगी को लिटा कर उसके शरीर को गर्म करने हेतु कम्बल या मोटी चादर ओढ़ा दें। सामान्य व्यक्ति को स्नान के बाद कुछ व्यायाम या तेजी से टहलना चाहिए ताकि शरीर में गर्मी बनी रह सके।

इस स्नान से मोटापा कम होता है, कब्ज दूर होती है, पेट के कई विकारों को दूर करता है, अजीर्ण में लाभ होता है। इससे पाचन संस्थान की कार्यक्षमता बढ़ती है और आंतों की गंदगी साफ होती है।

पाद स्नानः-

पाद स्नान पैरों व पिंडलियों के लिए बहुत लाभकारी होता है। इस स्नान हेतु एक बाल्टी में सहन करने योग्य गर्म पानी डालें और एक बाल्टी में सामान्य ताप वाला पानी। गर्म पानी वाली बाल्टी में थोड़ा नमक, नींबू का रस मिला लें। अब इस बाल्टी में अपने पैर पिंडलियों तक भिगो दें और शरीर पर तौलिया लपेट कर किसी कुर्सी पर बैठ जायें। जब पानी का तापमान सामान्य होने लगे तो पांव सामान्य पानी में डाल दें। इस प्रकार से गर्म पानी में कुल 20-30 मिनट तक पाद स्नान करें।

इस स्नान से पैरों की ऐंठन, पिंडलियों का दर्द, खांसी, पुराना जुकाम, सिर का भारीपन, सिर दर्द में लाभ मिलता है।

मेहन स्नानः-

यह स्नान विशेषकर महिलाओं के लिए अधिक लाभप्रद होता है पर इस स्नान का लाभ पुरुषों को भी मिलता है। इस स्नान में अपने गुप्तांगों को पानी में रखकर उसे पानी से धोते हैं।

आधा टब पानी से भर लें। इसमें एक ऊंचा लकड़ी का पाट रख लें जिसकी सतह सूखी हो, टब में बैठकर अपने पांव बाहर की ओर रखे जैसा कटि स्नान में रखे जाते हैं। अब अपने प्राइवेट पार्ट पर नर्म साफ कपड़े को पानी में डुबोकर उस पर पानी डालें। धीरे-धीरे कपड़े से अपने जननेन्द्रिय या लिंग के बाहरी भाग को साफ करें। ध्यान रखें कपड़े से उन अंगों को रगड़े नहीं। इस स्नान से स्त्रियों की मासिक धर्म की समस्याएं, प्रदर रोग, पेट की कई बीमारियां दूर होती हैं।

भाप स्नान (स्टीम बाथ):-

भाप स्नान घर पर भी लिया जा सकता है। इसके लिए लकड़ी की बड़ी पेटी होनी चाहिए। आजकल बडे. शहरों में भाप स्नान जिम, ब्यूटीपार्लर आदि में लिया जाता है क्योंकि वहां आप निश्चिंत रूप से बैठकर इस स्नान का आनंद उठा सकते हैं। वहां पर भाप स्नान हेतु अलग से एक छोटा रूम होता है और बैठने के लिए भी उचित स्थान होता है। कमरे में भाप पाइप द्वारा फैल जाती है जिससे शरीर को इसका पूरा लाभ प्राप्त हो सकता है। भाप स्नान लेते समय वस्त्रों को नहीं पहनना चाहिए। अधिक से अधिक अन्डरवीयर पहन सकते हैं।

अधिक दुर्बल या रोगी को भाप स्नान नहीं देना चाहिए। भाप स्नान लेने के तुरन्त बाद ताजे पानी से नहाना चाहिए।

इस स्नान से गठिया रोग में लाभ मिलता है, मोटापा कम होता है, रक्त संबंधी रोग दूर होते हैं। भाप स्नान से शरीर के सारे रोम छिद्र खुलकर स्वच्छ होते हैं। जिन लोगों को खुजली, दाद आदि की शिकायत हो, उन्हें यह स्नान नहीं लेना चाहिए।

इस प्रकार विभिन्न स्नानों से शरीर को कई लाभ प्राप्त होते हैं जिन्हें समय-समय पर लिया जा सकता है। (स्वा. द.)

सेहत की खबरें

सोनी मल्होत्रा

अकेलापन व्यक्ति को बनाता है रोगग्रस्त

विशेषज्ञों का मानना है कि अकेलापन व्यक्ति के लिए उतना ही नुकसानदायक हो सकता है जितना सिगरेट व अल्कोहल का सेवन। शिकागो यूनिवर्सिटी और ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ जान कसियोपो द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार अकेलेपन के कारण व्यक्ति के रक्तचाप में वृद्धि होती है जिससे हृदयाघात होने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि व्यक्ति को मिलते जुलते रहना चाहिए ! अकेलेपन से ग्रस्त व्यक्ति बीमारी का जल्दी शिकार हो जाता है।

एक अन्य शोध के अनुसार अकेलापन महसूस करने वाली महिलाएं सामाजिक संबंध रखने वाली महिलाओं की तुलना में भी अधिक रोगग्रस्त पायी गयी। यही नहीं, उन पर दवाइयों का प्रभाव भी प्रभावकारी नहीं होता। अकेले रहने के कारण वे परिवार व दोस्तों की देखभाल से भी वंचित रह जाते हैं इसलिए उनमें उम्मीद भी कम देखने को मिलती है।

तनाव भी पैदा कर सकता है जोड़ों में दर्द

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और अवसाद आम बात हो गई है। शायद इसीलिए जोड़ों में दर्द से ग्रस्त रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। मांसपेशियों में खिंचाव होने से शरीर में दर्द उत्पन्न होता है। तनाव के साथ-साथ दर्द बढ़ता ही चला जाता है।

यदि आप तनाव को नियंत्रित कर लें तो आप अपने आप ही बिना किसी चिकित्सा की सहायता से दर्द से छुटकारा पा सकते हैं। एक बार तनाव के कारणों की सूची बना कर उन कारणों पर ध्यान डालें कि आप किन बातों को बदल सकते हैं और किन को नहीं। इस प्रकार धीरे-धीरे आप तनाव को बहुत हद तक कम कर सकते हैं।

वृद्ध महिलाएं अधिक सक्रिय

हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार वृद्ध महिलाएं युवा महिलाओं की अपेक्षा अधिक सक्रिय होती हैं और कसरत में भी वे युवा महिलाओं को पीछे छोड़ती हैं। इस शोध में 65 वर्ष के आयु वर्ग व 25-34 वर्ष के आयु वर्ग की महिलाओं के द्वारा की जाने वाली कसरत के विषय में जाना और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि जहां वृद्ध महिलाएं सप्ताह में चार बार या नियमित कसरत करती हैं, वहीं युवा महिलाओं में यह प्रतिशत कम पाया गया।

युवा महिलाओं से जब इसका कारण जाना गया तो कई बातें सामने आयी। युवा महिलाएं व्यायाम के लिए फुरसत ही नहीं निकाल पाती क्योंकि उनका सारा ध्यान अपने मेकअप व सौंदर्य में ही रहता है। यही नहीं, युवा महिलाएं पैदल चलना तो बिलकुल ही पसंद नहीं करती। उन्हें थोड़ी सी दूरी पर जाने के लिए भी कार, स्कूटर की आवश्यकता महसूस होती है जबकि वृद्ध महिलाएं पैदल चलना पसंद करती हैं।

एंटी आक्सीडेंट अल्जाइमर रोग की संभावना को कम करते हैं

नीदरलैण्ड में इरेसगस मेडिकल सेन्टर के विशेषज्ञ मेरियेन इंजलहार्ट व उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार सब्जियों, विटामिन ई और विटामिन सी का सेवन अल्जाइमर रोग की संभावना को कम करता है। इस शोध में 55 वर्ष से अधिक की आयु के 5, 395 व्यक्तियों की खान-पान की आदतों का 6 वर्ष तक अध्ययन किया गया। इनमें से 146 सहभागियों को अल्जाइमर रोग पाया गया और 29 की रक्तवाहिनियों को रोगग्रस्त पाया गाया। जिन व्यक्तियों ने विटामिन ई का सेवन किया, उनमें वाहिनियों के रोगग्रस्त होने की संभावना 17 प्रतिशत और अल्जाइमर होने की संभावना 19 प्रतिशत कम पायी गयी। जिन व्यक्तियों ने विटामिन सी का सेवन किया, उनमें यह प्रतिशत 9 और 18 प्रतिशत कम पाया गया। जिन्होंने सब्जियों का सेवन अधिक किया, उनमें यह 19 और 18 प्रतिशत कम पाया गया।

प्रतिदिन 30 मिनट का व्यायाम आपको रखता है निरोग

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के विशेषज्ञ फ्रेंकहू द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार प्रतिदिन 30 मिनट व्यायाम या आधे घंटे की सैर महिलाओं में पक्षाघात की संभावना को कम करती है। फ्रेंकहू के अनुसार महिला जितना अधिक व्यायाम करती है उतना ही उसे पक्षाघात की संभावना कम होती है। व्यायाम उच्च रक्तचाप को कम करता है और अच्छे कोलेस्ट्रोल (हाई डेन्सिटी लिपोप्रोटीन) को बढ़ाता है। व्यायाम वजन कम करने में और वजन नियंत्राण में भी प्रभावकारी है।

बोस्टन में वूमेन्स हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक अन्य शोध के अनुसार, पैदल चलना, जागिंग करना तैराकी आदि हल्के व्यायाम महिलाओं में हृदयाघात की संभावना को कम करते हैं। अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित इस शोध में पाया गया कि जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 30 मिनट हल्का व्यायाम किया, उन्हें पक्षाघात की संभावना व्यायाम न करने वाली महिलाओं की तुलना में 20 प्रतिशत कम पायी गयी।

इससे पूर्व किए गए अन्य कई शोधों ने भी इस बात पर प्रकाश डाला है कि व्यायाम हृदय रोगों, मधुमेह, ओस्टिओपोरोसिस और कई प्रकार के कैंसर की संभावना को कम करता है, इसलिए इतने गंभीर रोगों से सुरक्षा के लिए व्यक्ति प्रतिदिन 30 मिनट तो आसानी से निकाल सकता है।

फेफड़ों का कैंसर होने से बचाता है बैटा केरोटिन

स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क के विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार जो व्यक्ति बैटा केरोटिन के स्रोतों जैसे गाजर आदि का अधिक सेवन करते हैं, उन्हें इसका सेवन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना कम पायी गयी है। इस शोध के अनुसार सप्ताह में दो बार एक-एक गाजर का सेवन फेफड़ों के कैंसर की संभावना को 60 प्रतिशत कम करता है। विशेषज्ञों के अनुसार बैटा केरोटीन का सेवन कैंसर की रोकथाम व नियंत्राण में सहायक होता है। (स्वा.द.)

स्वास्थ्य हेतु लाभदायक है ये फल और सब्जियां

अनोखी लाल कोठारी

शाकाहारी व वृद्ध व्यक्तियों के आहार में संतुलन बनाए रखने के लिए निम्न तरकारियां विशेष लाभप्रद हैं जो इस प्रकार हैं:-

पत्ता गोभी लाजवाबः-

पत्तागोभी के नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। पत्ता गोभी वजन घटाने में भी लाभदायक साबित हुयी है। पत्तागोभी का सेवन बहुत ध्यान पूर्वक करें। इसे काट कर 10 मिनट तक कीटनाशक घोल में रखें और इसे अच्छी तरह से धोकर पकाएं।

पाचक अजवायनः-

अजवायन में कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, सोडियम, पोटेशियम जैसे तत्व मिलते हैं। यह पेट के कीड़े दूर करते हैं वे पाचन सुधारती है। पेट दर्द, गैस, पाइल्स आदि में बहुत हितकारी है।

प्यास मिटाए खरबूजाः-

खरबूजे में सोडियम पोटेशियम, मैग्नीशियम और आयरन आदि खनिज लवण और विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। यह शारीरिक मानसिक शक्ति प्रदान करने में सहायक है। पाचक और प्यास मिटाने वाला होता है।

इम्यूनिटी बढ़ाए लौकीः-

लौकी हृदय रोगी, मानसिक तनाव, बवासीर डिहाइडेऋशन जैसी बीमारियों को दूर करने वाली मानी जाती है। लौकी के सेवन से इम्यून सिस्टम ताकतवर होता है।

सेहत बनाए केलाः-

रोज दो केले खाने से सभी प्रकार के विटामिनों की पूर्ति होती है। भोजन के बाद दो केले रोज खाए जाएं तो भोजन भी जल्दी पचता है और बल भी बढ़ता है।

दमदार हरी मिर्चः-

गर्मी में हरी मिर्च खाने से उसके बीज अगर आपके पेट में हैं तो हैजा का डर नहीं होता। हरी मिर्च खाने के साथ खायें। अचार खायें इसमें विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है।

कलौंजी कमाल की:- चेहरे को सुंदर व आकर्षक बनाने के लिए कलौंजी के तेल में थोड़ा सा जैतून का तेल मिलाकर चेहरे पर लगायें और थोड़ी देर बाद चेहरा धो लें। इससे चेहरे के दाग धब्बे दूर होते हैं।

पाचन बढ़ाये तरबूजः-

तरबूज के लाल गूदे पर काली मिर्च, जीरा एवं नमक का चूर्ण डालकर खाने से भूख लगती है एवं पाचन शक्ति बढ़ती है। तरबूज के बीज का चूर्ण बना लें। गर्म दूध में मिश्री तथा एक चम्मच यह चूर्ण डालकर उबाल लें। इसके सेवन से देह पुष्ट होती है। (स्वा.द.)

रस्सी कूदना एक सुविधाजनक व्यायाम है

कर्मवीर अनुरागी

आमतौर पर रस्सी कूदना लड़कियों का खेल समझा जाता है लेकिन आज यह व्यायाम के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहा है। पश्चिमी देशों में रस्सी कूदना एक आम व्यायाम है।

रस्सी कूदना एक ऐसा व्यायाम है जिससे शरीर के सभी अंगों की अच्छी कसरत हो जाती है। अगर आपके पास व्यायाम के लिए ज्यादा समय नहीं है तो सिर्फ पंद्रह मिनट रस्सी कूदने से ही आपके पूरे शरीर की अच्छी कसरत हो जाती है।

नियम से रस्सी कूदने से मोटापा तो कम होगा ही, साथ ही फिगर भी अच्छी निखर कर आएगी। रस्सी कूदने से पैर, टखनों तथा कलाइयों की अच्छी कसरत हो जाती है। वे मजबूत होते हैं व शारीरिक बल बढ़ता है।

छोटे बच्चों के लिए रस्सी कूदना बहुत ही लाभदायक है। इससे शरीर मजबूत होने के साथ-साथ लम्बाई बढ़ती है, भूख भी खुल कर लगती है। रस्सी कूदने से रक्त संचार तीव्र होता है लेकिन अगर आपको हृदय, लिवर या किडनी संबंधी या अन्य कोई बीमारी है तो बिना डॉक्टर की सलाह लिए रस्सी न कूदें।

रस्सी कूदने के लिए सबसे अच्छी जगह हरी घास का समतल मैदान है। कठोर और ऊबड़-खाबड़ जगह पर रस्सी कूदने से पैरों और घुटनों को चोट

पहुंच सकती है। घुटनों के जोड़ों को नुकसान से बचाने के लिए अच्छे किस्म के स्पोर्ट शूज पहनें। चप्पल पहन कर या नंगे पैर रस्सी कूदने से बचें।

रस्सी कूदने से पहले हल्के व्यायाम या जॉगिंग से शरीर को गर्म कर लेना चाहिए। रस्सी कूदते समय अपने शरीर को सीधा रखें। आप कितनी देर रस्सी कूदें, इसका कोई निश्चित नियम नहीं है। आप जितनी देर चाहें, रस्सी कूद सकती हैं पर इतनी देर भी नहीं कि आपके पैर जख्मी हो जाएं। हर चीज की अति नुकसानदेह होती है। रस्सी कूदने की अवधि धीरे-धीरे बढ़ाएं। यह नहीं कि आप पहले ही दिन इतनी रस्सी कूद लें कि वह हानिकारक साबित हो। पहले सप्ताह आप बिना रस्सी के पचास से सौ बार कूदें। पूरे सप्ताह यही तरीका अपनाएं।

दूसरे सप्ताह अपने शरीर को पहले गर्म करके फिर सौ की गिनती पूरी करते हुए एक फीट के लगभग ऊंचा कूदें। हर दिन दस अंक गिनती में बढ़ाएं।

तीसरे सप्ताह भी रोज की तरह अपने शरीर को गर्म करके बिना रूके सौ की गिनती तक कूदें। दो तीन मिनट आराम करके सौ तक की गिनती करते हुए रस्सी कूदें।

चौथे सप्ताह तक आपको रस्सी कूदने का पूरा अभ्यास हो जाएगा। अब आप लगातार पंद्रह से बीस मिनट तक रस्सी कूद सकती हैं।

इस व्यायाम से आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा व शरीर की मांसपेशियां भी मजबूत बनेंगी। रस्सी कूदने को अपने जीवन का नियम बना लें, फिर देखिए कि आप कितनी स्वस्थ्य व हृष्ट-पुष्ट रहेंगी। (स्वा.द.)

बाहों की सुंदरता हेतु

दुर्गा प्रसाद शुक्ल 'आजाद'

हर औरत की खूबसूरती को निखारने में हर शारीरिक अंग का कुछ न कुछ सहयोग होता है। उन सभी की देखभाल सही रूप से की जाती हो, ऐसा ज्यादा स्त्रियों के बारे में कहा नहीं जा सकता। बांहों की खूबसूरती के प्रति स्त्री की सजगता हमेशा समान रही हो, ऐसी बात नहीं है परन्तु जब से बांहों के बिना के कपड़ों का फैशन चला है, सौंदर्य की नजर से बांहों का महत्त्व स्वीकारा जाने लगा है।

ऐसे कपड़ों में अनावृत्त बाहें यदि थुलथुल, खुरदरी तथा सौंदर्यविहीन हों तो वे खूबसूरत लगने की जगह भद्दी नजर आयेंगी। बांहों को खूबसूरत बनाने के लिए सख्त मेहनत करनी पड़ती है, ऐसी बात नहीं है। रोजाना देखभाल, व्यायाम, मालिश, उबटन आदि ही इस दिशा में आपको अपेक्षित सफलता देंगे।

बांहें यदि बेडौल और मोटी हों तो इनको सुन्दरता देने के लिए आपको विभिन्न खेलों का सहारा लेना उचित होगा। आपकी बांहें यदि ज्यादा पतली होने की वजह से अनाकर्षक हैं तो आपको पौष्टिक खाद्य पदार्थों को खास रूप में खाना होगा। साथ ही रोज मालिश और उबटन भी जरूरी है। मालिश के लिए जैतून का तेल अच्छा है अन्यथा तिल के तेल से भी काम चलाया जा सकता है। अनावश्यक रोम अथवा रोयें भी बांहों की खूबसूरती को कम करते हैं। उबटन इस नजर से सहयोगी भूमिका निभाने में सक्षम हैं, साथ ही इससे त्वचा स्निग्ध बनती है। बगलों से भी बालों को समय-समय पर साफ कर देना जरूरी है। इतना याद रखें कि बांहों पर भूलकर भी रेजर का उपयोग न करें। बाल यदि हल्के हों और उन्हें हटाने की इच्छा या जरूरत न हो तो ब्लीचिंग विधि से उनका रंग हल्का किया जा सकता है लेकिन हाथों के लिए अमोनिया की मात्रा चेहरे की तुलना में कुछ ज्यादा लेनी होगी। अनावृत्त रहने की वजह से बांहें, मौसम धूल-मिट्टी व धूप आदि से ज्यादा प्रभावित होती हैं, लेकिन घरेलू ढंग से देखभाल और इलाज करके उन्हें खूबसूरत बनाया जा सकता है। कुछ आसान उपाय अग्रलिखित हैं-

कुहनियां यदि सख्त हों व काली पड़ जाती हों तो एक रूमाल को गर्म जल में भिगोकर वहां कुछ देर रखें ताकि मैल फूल जाये। फिर सूखे तौलिए से रगड़ कर साफ करें और नींबू का रस मल कर रगड़ें।

टमाटर के रस में कच्चा दूध एवं थोड़ा-सा नींबू का रस मिलाकर बांहों पर लेप करें। आधे घंटे बाद साफ कर लें। इससे कोमलता और निखार आयेगा।

मसूर की दाल को दूध में गलाकर फुला लें और पीसकर उबटन करें। रोयें कम होंगे तथा कोमलता आयेगी। (स्वा.द.)

किडनी फेल होने के दौर में

ए. पी. भारती

हम किडनी फेल होने के दौर में हैं। जी हां, गुर्दे तेजी से साथ छोड़ रहे हैं। पहले आइये जानें कि किडनी या गुर्दे क्या हैं। रीढ़ की हड्डी के दोनों सिरों पर बीन की शक्ल के दो अंग होते हैं जिन्हें हम सब किडनी या गुर्दे के नाम से जानते हैं। हमारे शरीर के रक्त का काफी बड़ा हिस्सा गुर्दों से होकर गुजरता है।

गुर्दों में मौजूद लाखों नेफ्रोन नलिकाएं रक्त छानकर शुद्ध करती हैं। रक्त के अशुद्ध भाग को मूत्रा के रूप में अलग भेजती हैं। अगर गुर्दे स्वस्थ न हों अर्थात वे ठीक से काम न कर रहे हों तो रक्त शुद्ध न होगा और जब रक्त शुद्ध न होगा तो हम बीमार पड़ जाएंगे और जल्दी ही मौत हो जाएगी।

जब गुर्दे अपना काम ठीक से न कर पा रहे हों तो आदमी को डायलेसिस मशीन पर रखा जाता है। मशीन रक्त साफ करती है। गुर्दे खराब हो जाने की दशा में स्थाई इलाज यह होता कि आदमी के गुर्दे बदल दिए जाएं लेकिन गुर्दे बदलना आसान काम नहीं है। पहले तो गुर्दा आसानी से मिलता नहीं, मिले भी तो खर्चा लाखों में आता है। विशेषज्ञों के मुताबिक किडनी की बीमारियों का शुरूआती अवस्था में पता नहीं चल पाता, इस कारण किडनी की बीमारियों से काफी अधिक मौतें होती हैं। किडनी के लिए मधुमेह, पथरी और हाईपरटेंशन अत्यंत जोखिम भरे हैं। इनमें किडनी के मामले में हाईपरटेंशन और मधुमेह लक्षण के रूप में सामने नहीं आ पाते। जब किडनी काफी खराब हो जाती है तब पता चलता है। ऐसे में सामान्य इलाज कारगर नहीं रह पाता। तब जोखिम और जटिलता बढ़ जाती है। डायलेसिस पर कुछ समय तो आदमी को जिंदा रखा जा सकता है परंतु खर्च और परेशानियां अनंत हैं।

जानकारों के अनुसारों किडनी के मरीजों में से एक चौथाई में किडनी में गड़बड़ी का कोई कारण ज्ञात नहीं होता है। इस गड़बड़ी के कारणों में एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारकों का अत्यधिक इस्तेमाल भी हो सकता है।

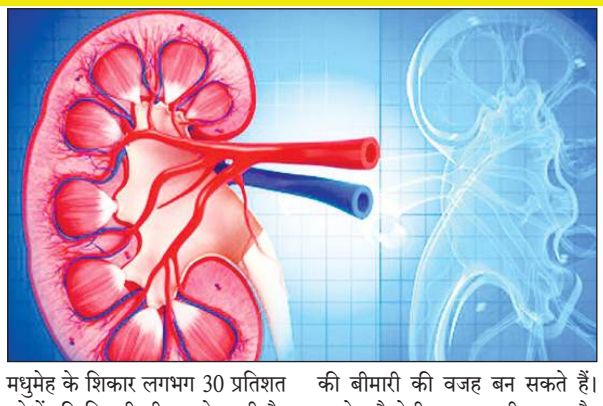

मधुमेह के शिकार लगभग 30 प्रतिशत लोगों की किडनी बीमार हो जाती है। और किडनी की बीमारी से ग्रस्त एक तिहाई लोग मधुमेह पीड़ित हो जाते हैं। इससे यह तय है कि इन दोनों का आपस में कोई ताल्लुक है। इसके अलावा लंबे समय से हाइपरटेंशन के शिकार लोगों को किडनी की बीमारी का खतरा 3-4 गुणा बढ़ जाता है।

गुर्दों की बीमारी के लिए दूषित खानपान और दूषित वातावरण मुख्य माना जाता है। दूषित मांस, मछली, अंडा, फल और भोजन तथा पानी गुर्दे की बीमारी की वजह बन सकते हैं। बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण और वाहनों के कारण पर्यावरण प्रदूषण अत्यधिक बढ़ गया है। अधिक से अधिक पैसा कमाने या बेरोजगार हो जाने, भविष्य की चिंता में आज आदमी हर तरह के वातावरण में अधिक से अधिक समय तक काम करता है। बहुत से लोग ऐसे हैं जिन्हें हफ्तों-महीनों घर का शुद्ध स्वच्छ भोजन नसीब नहीं होता। वे होटलों-ढाबों पर दूषित भोजन खाते हैं।

इस दौर में दूषित बाजारू पेय पदार्थों पर हमारी निर्भरता बढ़ गयी है। कोल्ड ड्रिंक्स, लस्सी, जूस, सादा पानी कोई भी पूर्ण सुरक्षित नहीं। इनमें कीट नाशकों, रासायनिक खादों, डिटरजेंट साबुनों, औद्योगिक रसायनों के अंश पाए जाते हैं। ऐसे में फेफड़े और जिगर तथा गुर्दे सुरक्षित नहीं हैं, इसलिए गुर्दों के मरीज बेतहाशा बढ़ गये हैं। गुर्दों के मरीज बढ़ने से गुर्दे चुराने की घटनाएं भी बढ़ी हैं। गरीबी-बदहाली से त्रस्त लोग एक गुर्दा बेचने को तैयार हो जाते हैं।

अब प्रश्न है कि गुर्दे की बीमारी से कैसे बचा जाए? स्वच्छ खान-पान, शुद्ध वायु, प्रातःकाल में सामान्य व्यायाम, तनाव से बचाव और पौष्टिक भोजन से आप ठीक रहेंगे। अगर आमदनी कम हो तो विलासिता की चीजों पर खर्चा न कर उसे बचाएं और उसे अच्छे खानपान में लगाएं पर्याप्त नींद लें। पानी अशुद्ध होने की आशंका हो तो ठीक से उबालकर पिएं। बाजारू तैयार खाद्य, पेय पदार्थों व ढाबों इत्यादि में भोजन करने से बचें। सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि हर प्रकार के संक्रमण से बचें। (स्वा. द.)

मीठे पेय बढ़ाते हैं मोटापा

चीनी मिश्रित या फलों के स्वाद वाले मीठे पेय मसलन सेब का जूस पीने वाले बच्चों को मोटापे का खतरा रहता है। अमेरिका के सेंटस फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन से जुड़ी अनुसंधानकर्ता जीन वेल्स के

अनुसार इस नतीजे को पढ़कर उन माता-पिता को जरूर झटका लगेगा जो अपने बच्चों को जूस पिलाना बेहतर समझते हैं।

अमेरिका में जारी आहार निर्देशिका के अनुसार हालांकि फलों के जूस में विटामिन्स और दूसरे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में होते हैं लेकिन यह ताजे फलों को खाने की तुलना में कम फायदेमंद हैं। पोषण विशेषज्ञों का कहना है कि जूस पीने की तुलना में ताजे फल खाना ज्यादा उपयोगी है। वेल्स के मुताबिक बच्चों को ज्यादा कैलोरी की आवश्यकता नहीं होती। मीठे पेय में चीनी की अतिरिक्त मात्रा होती है।

वेल्स ने कहा कि स्कूल जाने वाले बच्चों को फल, पानी और दूध लेना चाहिए। इसके मुताबिक 3-4 साल के बच्चों का वजन अमूमन ज्यादा होता है। अगर इन्हें दिन में एक दो बार मीठे पेय पीने की आदत पड़ जाये तो साल भर के भीतर ही उनका वजन बढ़ जाता है।

बादाम - पोषक तत्वों का संघनित स्रोत

बादाम पोषक तत्वों का संघनित स्रोत तो है मगर साथ ही साथ बादाम में कुछ अवगुण भी हैं। इसीलिए बादाम को हमेशा भिगोकर छिलका उतारने के बाद ही खाने की सलाह दी जाती है।

बादाम में एक विशेष प्रकार का घातक रसायन पाया जाता है जिसे अम्यग्डलिन कहते है। यही अम्यग्डलिन साइनाइड को जन्म देता है और साइनाइड को तो आप जानते ही हैं...साक्षात् मौत।

मीठे बादाम में इसकी मात्रा बहुत कम होती है और कड़वे बादाम में बहुत ज्यादा। कड़वे बादाम में एक मीठे बादाम के मुकाबले 42 गुना तक। एक कड़वे बादाम में 4-9 मिलीग्राम तक हाइड्रोजन साइनाइड हो सकता है।

साठ किलोग्राम के एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए 30-210 मिलीग्राम हाइड्रोजन साइनाइड मारक सिद्ध हो सकता है। कम से कम 4 कड़वे बादाम और अधिक से अधिक 50 कड़वे बादाम किसी की भी जान खतरे में डाल सकते हैं।

इसके अलावा मीठे और कड़वे दोनों तरह के बादाम में आक्सलेट भरपूर मात्रा में होते हैं और जो लोग पथरी की समस्या से ग्रसित हैं, उनके लिए बादाम का सेवन सर्वथा वर्जित है।

विशेष रूप से वो लोग जिनके अंदर कैल्शियम आक्सलेट वाली पथरी बनती है। छिलके वाला बादाम खाने से पेशाब में जलन हो सकती है और यह इन्हीं घातक रसायनों के कारण होती है।

इसलिये कोशिश करें कि बादाम बिना छिलका उतारे न खाया जाए। एक साथ बहुत अधिक मात्रा में भी न खाया जाए। एक दिन में चार बादाम पर्याप्त हैं। (स्वा. द.)

संवैधानिक नैतिकता आवश्यक धार्मिक प्रथाओं और मान्यताओं को तय करने का आधार नहीं : केंद्र

नयी दिल्ली : केंद्र ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि संविधानिक नैतिकता कभी भी किसी धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथाओं और मान्यताओं को तय करने के लिए न्यायिक समीक्षा का आधार नहीं बन सकती। साथ ही, समलैंगिक संबंध और व्यभिचार से जुड़े प्रावधानों को इस सिद्धांत के आधार पर अपराध के दायरे से बाहर रखने वाले पूर्व के दो फैसले ''अच्छा कानून'' नहीं थे। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि संवैधानिक नैतिकता एक अस्पष्ट और व्यक्तिपरक सिद्धांत है, और इस पर आधारित निर्णय, विदेशी कानूनी विशेषज्ञों के विचारों और मिसालों के साथ मिलकर देश में धार्मिक मान्यताओं की सत्यता का परीक्षण करने का आधार नहीं हो सकते हैं। मेहता ने पीठ के समक्ष यह दलील दी कि इस न्यायालय द्वारा कुछ निर्णयों में संवैधानिक नैतिकता की गलत तरीके से लागू की गई अवधारणा बाद में 2018 के शबरिमला मामले के निर्णय का आधार बनी, जिसमें सभी आयु वर्ग की महिलाओं को केरल में पहाड़ी पर स्थित मंदिर में प्रवेश करने की अनुमति दी गई, हालांकि भगवान अयप्पा ब्रह्मचारी हैं। ये दलीलें पीठ के समक्ष दी गईं जो केरल के शबरिमला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से संबंधित याचिकाओं और साथ ही विभिन्न धर्मों द्वारा प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा पर भी विचार कर रही है। पीठ में न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति

ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले, न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची भी शामिल हैं। सॉलिसिटर जनरल ने दूसरे दिन की सुनवाई के दौरान अदालत को बताया, ''संवैधानिक नैतिकता राजनीति विज्ञान का एक सिद्धांत है जिसके अनुसार पदाधिकारियों को कार्य करना चाहिए, गंभीर आपराधिक आरोप का सामना कर रहे व्यक्ति को पद छोड़ना चाहिए या नहीं- ये संवैधानिक परंपराएं हैं, लेकिन न्यायिक समीक्षा का आधार नहीं हैं। न्यायिक समीक्षा संविधान के अनुसार ही की जानी चाहिए।''

अदालत के पास यह तय करने का आधिकार है कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि उसके पास यह तय करने का अधिकार है कि किसी धर्म में कौन-सी प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है। अदालत ने यह टिप्पणी केंद्र सरकार की इस दलील के जवाब में की कि धर्म से जुड़े मामलों पर फैसला करना अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता, क्योंकि न्यायाधीश कानून के विशेषज्ञ होते हैं, धर्म के नहीं। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ केरल के शबरिमला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े कथित भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई की शुरुआत में केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सवाल किया कि अदालत यह कैसे तय करेगी कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है। उन्होंने कहा, मान लें कि कोई प्रथा अंधविश्वास पर आधारित है, तब भी यह तय करना अदालत का काम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 25(2)(बी) के तहत यह काम विधायिका का है कि वह सुधार के लिए कानून बनाए।

भारत और बांग्लादेश ने संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता का संकेत दिया

नयी दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष खलीलुर रहमान को ढाका में नयी सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की भारत की इच्छा से अवगत कराया। जयशंकर और रहमान ने अपनी बैठक में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान के तनाव को पीछे छोड़ते हुए सहयोग का एक नया मार्ग प्रशस्त करने पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर के साथ रहमान मंगलवार को तीन दिवसीय यात्रा पर नयी दिल्ली पहुंचे थे। बांग्लादेश में संसदीय चुनावों के बाद फरवरी में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सत्ता में आने के बाद नयी सरकार के किसी वरिष्ठ

सदस्य की यह भारत की पहली उच्च स्तरीय यात्रा है। जयशंकर ने रहमान से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, ''हमने द्विपक्षीय संबंधों को विभिन्न पहलुओं पर मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। नजदीकी संपर्क में रहने पर सहमति बनी।''

आईफोन खरीदने के लिए नाबालिग लड़के ने चुराए मां के आभूषण

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) : हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में एक नाबालिग लड़के ने आईफोन खरीदने के लिए यहां अपनी मां के गहने चुराए और उन्हें गिरवी रखकर तीन लाख रुपये का कर्ज ले लिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। हमीरपुर के पुलिस अधीक्षक बलबीर सिंह ने कहा कि मां की शिकायत के मद्देनजर दो दिन पहले नादौन के गगल स्थित उनके घर से चोरी हुए आभूषण एक निजी फाइनेंस कंपनी से बरामद कर लिये गए हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना में आरोपी लड़के की बहन और उसका दोस्त क्रिश भी शामिल थे, जिन्होंने उसे पैसे दिलाने में मदद की थी।

सेना प्रमुख ने एचएएल का दौरा किया, 'एलसीएच प्रचंड' में उड़ान भरी

नयी दिल्ली : सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बेंगलुरु स्थित सरकारी रक्षा कंपनी 'हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड' (एचएएल) का बुधवार को दौरा किया और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) 'प्रचंड' में अपनी पहली उड़ान भरी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जनरल द्विवेदी ने एचएएल में सैन्य विमानन परियोजनाओं की समीक्षा की और वहां विकसित की जा रही स्वदेशी 'एयरोस्पेस' क्षमताओं का जायजा लिया। सेना ने बताया कि सेना प्रमुख ने अपनी यात्रा के दौरान एलसीएच प्रचंड में उड़ान भी भरी, जिससे उन्हें इसके प्रदर्शन और युद्ध क्षमताओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। जनरल द्विवेदी ने एक पायलट के साथ यह उड़ान भरी।

गुजरात: वैन ने खड़े ट्रक को मारी टक्कर, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

सूरत : गुजरात के सूरत जिले में पालसाना के पास मंगलवार की रात एक वैन के एक खड़े ट्रक से टकरा जाने के कारण एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। बारडोली संभाग के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) एच. एल. राठौड़ ने बताया कि यह दुर्घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात 12:30 बजे हुई। उन्होंने कहा, ''टायर पंक्चर होने के कारण एक ट्रक रुका हुआ था, जिससे वैन टकरा गई। मुंबई से गुजरात के खम्भात स्थित अपने पैतृक स्थान जा रहे एक ही परिवार के चार सदस्यों की इस दुर्घटना में मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान होज़ेफ़ा अदेंवाला (39), मुर्तजा वाई अदेंवाला (45), मुर्तज़ा जेड अदेंवाला (48) और मुनीरा अदेंवाला (46) के रूप में हुई है।

गोवा नाइटक्लब घटना : ईडी ने 17 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गोवा स्थित उस नाइट क्लब के प्रवर्तकों के खिलाफ धनशोधन की जांच के तहत 17.45 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को कुर्क किया है, जहां दिसंबर 2025 में आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 'बर्च बाय रोमियो लेन' क्लब के खिलाफ कार्रवाई की।

न्यायालय ने वैवाहिक विवाद को महाभारत युद्ध के समान बताया, शादी समाप्त की

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने अलग रह रहे पति-पत्नी के बीच लगभग एक दशक से जारी विवाद को वैवाहिक महाभारत करार दिया और इस कड़वी कानूनी लड़ाई को पूर्ण विराम देते हुए दोनों की शादी समाप्त कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि यह शादी व्यावहारिक रूप से दम तोड़ चुकी थी और संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दोनों के वैवाहिक रिश्ते को समाप्त कर दिया। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को किसी भी मामले में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए कोई भी आदेश पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने पेशे से वकील पति की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने अपनी कानूनी विशेषज्ञता का इस्तेमाल अपनी पत्नी, उसके परिवार और यहां तक कि उसके वकील के खिलाफ प्रतिशोधी एवं परेशान करने वाले अभियान के तहत 80 से अधिक मामले दर्ज कराने के लिए किया। न्यायमूर्ति मेहता ने मंगलवार को पारित आदेश में कहा कि अलग रह रहे पति-पत्नी लंबे समय से जारी कड़वी वैवाहिक लड़ाई में उलझे हुए थे, जिसके चलते विभिन्न अदालतों और मंचों में कई मुकदमे दायर किए गए थे। आदेश में कहा गया है, हम इस बात का भी संज्ञान लेते हैं कि प्रतिवादी पति ने हर स्तर पर, न केवल याचिकाकर्ता पत्नी और उसके रिश्तेदारों, बल्कि उसके वकीलों के खिलाफ भी अनगिनत आवेदन और शिकायतें दर्ज कराके कार्यवाही को खींचने और जटिल बनाने की कोशिश की।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचे इलाकों में ताजा बर्फबारी, तापमान में गिरावट

शिमला : हिमाचल प्रदेश के कई ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में बुधवार को हिमपात हुआ, जबकि मध्य और निचले पहाड़ी क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई। अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय मौसम विभाग ने मंडी, कुल्लू और शिमला जिलों के कुछ हिस्सों में बुधवार को छिटपुट बारिश, बादल गरजने, बिजली चमकने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। उन्होंने बताया कि रोहतांग दर्रा, लाहौल और स्पीति के आदिवासी क्षेत्र और शिमला शहर के बाहरी इलाके में स्थित कुफरी उन स्थानों में शामिल थे जहां ताजा

बर्फबारी हुई, जबकि मंडी जिले में 11,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित शिकारी माता मंदिर में भी रुक-रुक कर बर्फबारी हुई, जो अप्रैल के महीने में असामान्य है। बागवानों और किसानों ने मौसम को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अप्रैल में बर्फबारी और तूफानी मौसम से सेब और अन्य फलों के साथ-साथ कटाई के लिए तैयार गेहूं की फसल को भी नुकसान पहुंच सकता है। गोंडला और कुफरी में क्रमशः चार सेंमी और 1.4 सेंमी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे रोहतांग दर्रा और शिकारी माता मंदिर बर्फ की सफेद चादर से ढक गए।

महिला आरक्षण से जुड़े नए संवैधानिक संशोधन स्वर्णिम युग की शुरुआत: अन्नपूर्णा देवी

नयी दिल्ली : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को कहा कि महिला आरक्षण से जुड़े नए संवैधानिक संशोधन देश में एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत हैं। महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में एक तिहाई आरक्षण देने के प्रावधान वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2023 में पारित किया गया था। सरकार अब इसमें संशोधन करके इसे 2029 से लागू करने तथा परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 करने की योजना बना रही है। अन्नपूर्णा देवी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के स्वर्णिम युग की शुरुआत है। भारत की विकास यात्रा में महिलाओं की भागीदारी केवल आवश्यक ही नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी है। महिला आरक्षण से जुड़े नए संवैधानिक संशोधन देश में एक नए स्वर्णिम युग की शुरुआत हैं।'' उनका कहना है कि यह ऐतिहासिक कदम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं की सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करते हुए नीति-निर्माण को अधिक संवेदनशील, समावेशी और परिणामोन्मुख बनाएगा तथा महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति शासन को नई दृष्टि, संतुलन और जनहित के प्रति अधिक प्रतिबद्धता प्रदान करेगी। मंत्री के अनुसार, आंकड़े स्वयं इसकी महत्ता दर्शाते हैं क्योंकि वर्तमान में लोकसभा के 543 सदस्यों में केवल 74 महिलाएं हैं उन्होंने कहा, ''परिसीमन और 33 प्रतिशत आरक्षण के बाद यह संख्या बढ़कर 816 में 269 हो जाएगी। राज्य विधानसभाओं में वर्तमान में लगभग 390 महिला विधायक हैं, जो बढ़कर 2,041 हो जाएंगी।''

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने आंध्र प्रदेश में ग्रीनफील्ड स्टील प्लांट का किया शिलान्यास

कोलकाता, समाज्ञा : आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के राज्यपेटा में 8.2 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले ग्रीनफील्ड इंटीग्रेटेड स्टील प्लांट का शिलान्यास किया। इस परियोजना में करीब 70,000 करोड़ रुपये का चरणबद्ध निवेश प्रस्तावित है और इससे लगभग एक लाख प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। शिलान्यास समारोह में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी, उपमुख्यमंत्री के. पवन कल्याण और मंत्री नारा लोकेश उपस्थित रहे। कंपनी के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन लक्ष्मी मित्तल और सीईओ आदित्य मित्तल भी कार्यक्रम में शामिल हुए। यह अत्याधुनिक संयंत्र कंपनी की उत्पादन क्षमता को 40 एमटीपीए तक बढ़ाने में सहायक होगा। परियोजना के तहत उच्च गुणवत्ता वाले स्टील का उत्पादन किया जाएगा, जिससे भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक इस्पात क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा मजबूत होगी।

भोजशाला विवाद : हिंदू पक्ष ने कहा, 'मंदिर ढहाए जाने के बाद भी वह जगह हमेशा मंदिर ही रहती है'

इंदौर : मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में धार के भोजशाला विवाद के मुकदमे में हिंदू पक्ष ने बुधवार को दलील दी कि कोई मंदिर ध्वस्त किए जाने के बाद भी अपना धार्मिक और कानूनी स्वरूप बरकरार रखता है जिससे भक्तों को उस स्थान पर उपासना का अधिकार मिलता है। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ इस परिसर के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर छह अप्रैल से नियमित सुनवाई कर रही है। सुनवाई के तीसरे दिन याचिकाकर्ताओं में शामिल संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' के वकील विष्णु शंकर जैन ने न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी के सामने अपनी विस्तृत दलीलें पेश करना जारी रखा। जैन ने खंडपीठ के सामने अपने केंद्रीय तर्क को दोहराया कि 'ऐतिहासिक रिकॉर्ड और वैज्ञानिक सबूतों' के मुताबिक भोजशाला का सरस्वती मंदिर विवादित परिसर पर (मस्जिद के मुकाबले) पहले से मौजूद था, इसलिए वहां केवल हिंदुओं को उपासना का अधिकार दिया जाना चाहिए।

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में बम हमले के सिलसिले में यूकेएनए के तीन संदिग्ध सदस्य गिरफ्तार: पुलिस

इंफाल : मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के ट्रोंगलाओबी में हुए बम विस्फोट के सिलसिले में एक प्रतिबंधित संगठन के तीन संदिग्ध सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इस विस्फोट में दो बच्चों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक बयान के अनुसार, ये गिरफ्तारियां चुराचंदपुर जिले में की गई हैं। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में मंगलवार को हिंसा भड़क उठी।

राहुल गांधी का सिपाही हूं, डरूंगा नहीं, सवालों के जवाब दें शर्मा: पवन खेड़ा

नयी दिल्ली : कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके परिवार के खिलाफ विदेश में संपत्ति होने से संबंधित नए आरोप लगाए और कहा कि वह राहुल गांधी के सिपाही हैं और बिना डरे सवाल पूछते रहेंगे। उन्होंने कांग्रेस द्वारा जारी एक वीडियो में यह भी कहा कि 'अपशब्द' बोलने और पुलिस से पीछा करवाने के बजाय शर्मा को कांग्रेस द्वारा पूछे जा रहे सवालों का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि खेड़ा का वीडियो किसी 'अज्ञात स्थान' से रिकॉर्ड किया गया है। असम पुलिस की एक टीम मंगलवार को दिल्ली में खेड़ा के आवास पर

उनसे पूछताछ के लिए पहुंची थी और तलाशी ली। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी द्वारा खेड़ा के आरोपों के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर तीन पासपोर्ट और अघोषित संपत्ति रखने का आरोप लगाया था। खेड़ा ने बुधवार को कांग्रेस द्वारा जारी वीडियो में कहा, ''आप देख रहे हैं कि असम के मुख्यमंत्री तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। मेरे फ्लैट पर कल 100 पुलिस वाले पहुंचे थे और मेरे इलेक्ट्रॉनिक गजट लेकर चले गए।'' उनका दावा है, ''मैं जहां भी जाता हूं या इनको लगता है कि मैं गया हुआ हूं, वहां ये पुलिस भेज रहे हैं। क्यों? कांग्रेस ने सवाल ही तो उठाए हैं, आप कांग्रेस और मुझे चुप क्यों करना चाहते हैं? आप जवाब देने की बजाय सबको गाली दे रहे हैं और पीछे पुलिस छोड़ रहे हैं।''

हिमंत ने असम में मतदान से एक दिन पहले देवघर के बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की

देवघर(झारखंड) : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य विधानसभा चुनाव के तहत होने वाले मतदान से एक दिन पहले बुधवार को झारखंड के देवघर जिले में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। शर्मा भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच मंदिर पहुंचे और ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना करने के लिए सीधे गर्भगृह में गए। मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच, उन्हें बेल पत्र, गंगा जल अर्पित करने में सहायता की। अनुष्ठान के बाद, मंदिर समिति ने शर्मा को बाबा बैद्यनाथ का एक प्रतीक शिल्प भेंट किया। शर्मा ने

मंदिर की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बात नहीं की। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए बृहस्पतिवार को सुबह सात बजे मतदान शुरू होगा और शाम पांच बजे संपन्न होगा। मतगणना चार मई को होगी। भाजपा असम में लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है।

'धुरंधर' फिल्म पर अपनी चुप्पी को लेकर दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

नयी दिल्ली : अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने फिल्म ''धुरंधर'' और इसके सीक्वल में पति रणवीर सिंह के अभिनय पर अपनी चुप्पी को लेकर हो रही आलोचनाओं का जवाब दिया है। पादुकोण ने एक इंस्टाग्राम रील पर आई टिप्पणी का जवाब देते हुए अपनी चुप्पी तोड़ी। टिप्पणी में यह कहा गया था कि क्या फिल्म की सफलता की चर्चाओं में उनका शामिल न होना ''धुरंधर'' के निर्देशक आदित्य धर की अनदेखी है या केवल ''इंटरनेट के पसंदीदा ड्रामे'' से दूर रहने का प्रयास है। पादुकोण ने रील पर टिप्पणी की, ''मेरे दोस्त...मैंने इसे आप सभी से बहुत पहले देखा था। अब, मज़ाक किसका

बना?'' फिल्म के दृश्यों को दर्शाने वाली उस रील में, पिछले महीने ''धुरंधर 2'' की स्क्रीनिंग में पादुकोण के अनुपस्थित रहने पर सवाल उठाए गये थे और यह भी दावा किया गया था कि वह इसके अगले दिन अपने ससुराल के लोगों के साथ मुंबई में एक शास्त्रीय संगीत कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। आदित्य धर की फिल्म ''धुरंधर'' और उसके सीक्वल ''धुरंधर: द रिवेंज'' (धुरंधर 2) में अभिनय के लिए रणवीर सिंह ने खूब वाहवाही बटोरी है। ये दोनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर साबित हुई हैं, जिनमें से प्रत्येक ने 1,300 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है।

असम में मतदान की तैयारी, 1.5 लाख सुरक्षाकर्मी तैनात, 722 उम्मीदवार मैदान में

गुवाहाटी : असम में बृहस्पतिवार को होने वाले मतदान के लिए 1.5 लाख से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है, जिसमें 126 सदस्यीय विधानसभा में प्रवेश की उम्मीद रखने वाले 722 उम्मीदवारों का भविष्य तय होगा। अधिकारियों ने बताया कि एक ही चरण में होने वाले इस मतदान के लिए 35 जिलों में 31,940 मतदान केंद्र बनाये गए हैं। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सूक्ष्म पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। चुनाव परिणाम चार मई को घोषित होंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग गोयल ने बताया कि अधिकांश कर्मी बुधवार सुबह मतदान केंद्रों के लिए रवाना हो गए

थे, जबकि कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जैसे दूरदराज के इलाकों में तैनात कर्मी मंगलवार को ही रवाना हो गए थे। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त मतदान कर्मी भी तैयार हैं। असम के पुलिस प्रमुख हरमीत सिंह ने कहा कि निर्वाचन आयोग के मार्गदर्शन और केंद्रीय बलों की सहायता से सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। कुल मतदान केंद्रों में से 126 (प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक) को आदर्श मतदान केंद्र के रूप में चिन्हित किया गया है।

सीमा पार हथियारों की तस्करी करने वाले माड्यूल का भंडाफोड़, चार पकड़े गए

चंडीगढ़ : अमृतसर पुलिस ने बुधवार को सीमा पार से हथियारों की तस्करी करने वाले एक माड्यूल का भंडाफोड़ करने और इस सिलसिले में एक नाबालिग सहित चार लोगों को पकड़ने का दावा किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से सात अत्याधुनिक पिस्तौल और 12 कारतूस जब्त किए गए हैं। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि यह सभी आरोपी सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और अटारी क्षेत्र के जरिए भारत में अवैध हथियारों की तस्करी करने में मदद कर रहे थे। यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि खेप पूर्वनिर्धारित स्थानों से प्राप्त कर पंजाब भर में स्थानीय आपराधिक नेटवर्क को इसकी आपूर्ति की जाती थी।

मुद्रा योजना ने पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मज़बूत किया है: मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पीएम मुद्रा योजना ने रुकावटों को दूर करके और लोगों की आकांक्षाओं पर विश्वास करके पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मज़बूत किया है। पीएम मुद्रा योजना के 11 साल पूरे होने पर, मोदी ने कहा कि इस योजना ने लाखों लोगों को सपने देखने का आत्मविश्वास और उन्हें पूरा करने के साधन प्रदान करके ऋण तक पहुंच को फिर से परिभाषित किया है। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर कहा, ''बाधाओं को दूर करके और जनता की आकांक्षाओं पर भरोसा जताकर, इस पहल ने पूरे भारत में उद्यमशीलता की भावना को मजबूत

किया है।'' मोदी ने कहा कि पीएम मुद्रा योजना एक ऐसी आर्थिक विचारधारा को दर्शाती है जहां अवसर सुलभ हैं और पहलों को प्रोत्साहन दिया जाता है तथा हर सपने को साकार होने के लिए समर्थन मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''मुद्रा योजना की परिवर्तनकारी क्षमता की एक झलक और इसने हमारी युवा शक्ति और नारी शक्ति पर किस प्रकार सकारात्मक प्रभाव डाला है।'' उन्होंने पीएम मुद्रा योजना पर 'माई जीओवी इंडिया' मंच के एक पोस्ट को भी साझा किया। 'माई जीओवी इंडिया' ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असली आर्थिक बदलाव हमेशा बोर्डरूम से शुरू नहीं होता। कभी-कभी, यह एक छोटे कर्ज, एक स्थानीय विचार और शुरुआत करने की हिम्मत से आता है। मुद्रा योजना चुपचाप भारत की अर्थव्यवस्था की नींव को नया आकार दे रही है। बिना गारंटी के कर्ज देकर, इसने अनौपचारिक साहूकारों पर निर्भरता कम की है, वित्तीय समावेश को बढ़ाया है, और जमीनी स्तर पर ऋण अनुशासन को मजबूत किया है।''

खरगे की टिप्पणी के विरोध में गुजराती समूहों ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया

नयी दिल्ली : गुजराती समुदाय के सदस्यों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से हाल में केरल में चुनाव प्रचार के दौरान की गई टिप्पणी के विरोध में बुधवार

को प्रदर्शन किया। केरल के इडुक्की जिले में रविवार को एक रैली के दौरान खरगे ने कहा था कि राज्य के लोग ''शिक्षित और समझदार'' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता है, जबकि गुजरात और कुछ अन्य स्थानों के लोग ''अशिक्षित'' हैं। उनकी इस टिप्पणी के बाद विवाद शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों ने ''अपमान की राजनीति बंद करो'' और ''गुजरात जाग चुका है'' जैसे नारे लगाए और समुदाय के खिलाफ कथित ''अपमानजनक टिप्पणियों'' पर रोष व्यक्त किया। भाजपा के नेताओं और गुजराती संगठनों के सदस्यों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया और कांग्रेस नेतृत्व से माफी की मांग की। गुजरात के वंसदा से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक धवल पटेल ने आरोप लगाया कि ये टिप्पणियां विपक्षी नेताओं द्वारा ''गुजराती लोगों का अपमान करने'' के एक पैटर्न को दर्शाती हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य के पूर्व के बयानों का हवाला देते हुए दावा किया कि ऐसी टिप्पणियों ने देश भर में समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

ब्याज दरें मध्यम से लंबी अवधि में कम बने रहने का अनुमान : आरबीआई

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को भरोसा जताया कि मुद्रास्फीति की अनुकूल स्थिति को देखते हुए ब्याज दरें मध्यम से लंबी अवधि में नीचे बनी रहेंगी। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद संवाददाताओं से कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अत्यंत मजबूत है और इसमें बाहरी झटकों या प्रतिकूल परिस्थितियों से उबरने की जबरदस्त क्षमता है। उन्होंने कहा कि देश की बुनियादी आर्थिक स्थिति बेहतर है, जिसके कारण वृद्धि को गति मिल रही है और कीमतों पर दबाव भी कम है। गवर्नर ने कहा, इस बात की पूरी संभावना है कि अल्पावधि से मध्यम अवधि में भी ब्याज दरें कम बनी रहेंगी।

बैंकों का एनपीए घटकर दो प्रतिशत हुआ, पश्चिम एशिया संघर्ष का बैंकिंग प्रणाली पर असर नहीं

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात दिसंबर 2025 में घटकर दो प्रतिशत पर आ गया। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के मुताबिक, बैंकिंग प्रणाली के लिए सकल एनपीए इससे एक साल पहले की समान अवधि में 2.5 प्रतिशत था। एनपीए से 90 दिनों से अधिक समय तक बकाया ऋण के अनुपात का पता चलता है। संपत्ति गुणवत्ता में यह सुधार खुदरा ऋण, सेवा, उद्योग और कृषि सहित सभी क्षेत्रों में देखा गया। दिसंबर 2025 में खुदरा ऋण में एनपीए घटकर एक प्रतिशत, सेवाओं में 1.7 प्रतिशत, उद्योग में 1.8 प्रतिशत और कृषि क्षेत्र में घटकर 5.7 प्रतिशत रह गया। उल्लेखनीय है कि पिछली कई तिमाहियों से बैंकों के एनपीए में लगातार सुधार हो रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के संभावित प्रभाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण होने वाले खर्चों पर आरबीआई ने कहा कि इस बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

खुदरा मुद्रास्फीति के चालू वित्त वर्ष में 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में खुदरा महंगाई दर 4.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। यह आरबीआई के संतोषजनक दायरे के अंदर हैं। सरकार ने केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने का लक्ष्य दिया है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले, भारत के वृहद आर्थिक बुनियादी तत्व मजबूत दिख रहे थे और आर्थिक वृद्धि दर बेहतर एवं महंगाई कम रहने का आकलन किया जा रहा था। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद स्थिति बदल गई। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति जारी करते हुए बुधवार को कहा कि अप्रैल-जून की पहली तिमाही में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर चार प्रतिशत रहने का अनुमान है। दूसरी तिमाही में इसके 4.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.2 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। वहीं, चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो रिजर्व बैंक के मुद्रास्फीति के लिए निर्धारित दो से छह प्रतिशत लक्ष्य के भीतर है।

रुपये में अत्यधिक सट्टेबाजी से आया उतार-चढ़ाव, नियामकीय कदम अस्थायी

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को कहा कि पिछले पखवाड़े में रुपये की कीमत में आए तेज उतार-चढ़ाव के पीछे 'अत्यधिक सट्टेबाजी' एक बड़ी वजह रही, जिसके चलते उसे विदेशी मुद्रा बाजार में कुछ अप्रत्याशित कदम उठाने पड़े। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यहां द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा बाद एक संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट किया कि रुपये को संभालने के लिए उठाए गए ये कदम स्थायी नहीं हैं। मल्होत्रा ने कहा, मार्च के अंतिम हफ्तों में हमने विदेशी मुद्रा बाजार में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। ये उपाय खास बाजार परिस्थितियों को देखते हुए उठाए गए हैं। ये किसी संरचनात्मक बदलाव का संकेत नहीं हैं और ये हमेशा के लिए नहीं रहेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि अत्यधिक उतार-चढ़ाव के दौरान बाजार में डॉलर की आपूर्ति 'कृत्रिम रूप से कम' हो गई थी, जिससे स्थिति और भी अस्थिर हो गई।

मुद्रा योजना ने छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप को मजबूत बनाया: शाह

नयी दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने 11 वर्षों में छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप को बिना गारंटी ऋण देकर उन्हें मजबूत बनाया है और स्वरोजगार तथा छोटे उद्योगों को नई गति दी है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अमित शाह ने कहा कि मुद्रा योजना के 11 वर्षों में 58 करोड़ ऋण वितरित किए गए हैं, जिनकी कुल राशि 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इससे 12 करोड़ युवाओं को लाभ मिला है और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा को नई गति मिली है। उन्होंने कहा, मुद्रा योजना के 11 वर्षों में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बिना गारंटी ऋण देकर छोटे कारोबारियों और नए उद्यमों को सशक्त बनाया है, जिससे स्वरोजगार और छोटे उद्योगों को नई ताकत मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि हर तीन में दो मुद्रा ऋण महिलाओं को दिए जाना महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ अप्रैल 2015 को शुरू की थी। इसके जरिए बिना किसी गारंटी के 20 लाख रुपये तक का ऋण दिया जाता है।

रुपया 92-93 के स्तर पर होगा स्थिर: ईएसी-पीएम चेयरमैन

कोलकाता: प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने बुधवार को कहा कि भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92-93 के स्तर पर स्थिर होने की उम्मीद है। उन्होंने भरोसा जताया कि वैश्विक तनाव कम होने और मजबूत आर्थिक बुनियाद के कारण निकट भविष्य में विदेशी निवेश बढ़ेगा। देव ने कहा कि हाल ही में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष जैसी वैश्विक अनिश्चितताओं और विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी निकालने से रुपये पर दबाव बना था। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाल ही में रुपया डॉलर के मुकाबले 95 के स्तर को पार कर गया था, लेकिन अब इसमें सुधार की संभावना है।

अमेरिका-ईरान युद्धविराम, कच्चे तेल में नरमी से सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ा

मुंबई: स्थानीय शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार तेजी आई और बीएसई सेंसेक्स 2,946 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 24,000 अंक के करीब पहुंच गया। पश्चिम एशिया में दो सप्ताह के युद्ध विराम की घोषणा से वैश्विक बाजारों में तेजी और कच्चे तेल के दाम में नरमी से घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। व्यापारियों ने कहा कि आरबीआई के नीतिगत दर रेपो को यथावत रखने का निर्णय, सभी क्षेत्रों में भारी लिवाली और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती से भी निवेशकों की धारणा में सुधार आया है। बाजार में लगातार पांचवें दिन तेजी रही। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 2,946.32 अंक यानी 3.95 प्रतिशत बढ़कर 77,562.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 3,018.96 अंक चढ़कर 77,635.54 अंक पर पहुंच गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 873.70 अंक यानी 3.78 प्रतिशत बढ़कर 23,997.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 901.5 अंक चढ़कर 24,025.15 अंक पर पहुंच गया था। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, ''अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की घोषणा के बाद वैश्विक धारणा में सुधार के कारण यह तेजी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में काफी गिरावट आई और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक वृद्धि को लेकर चिंताएं कम हुईं।' उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक के नीतिगत दर और तटस्थ रुख को यथावत रखने के निर्णय से भी धारणा मजबूत हुई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, इंटरग्लोब एविएशन में सबसे अधिक 8.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक और मारुति भी प्रमुख रूप से लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थीं। दूसरी तरफ, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और पावर ग्रिड में गिरावट रही। मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 4.93 प्रतिशत चढ़ा, जबकि छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप 4.01 प्रतिशत के लाभ में रहा।

अदाणी समूह के शेयरों में तेजी, अदाणी ग्रीन 11 प्रतिशत चढ़ा

नयी दिल्ली: शेयर बाजार में आई तेजी के साथ ही बुधवार को अदाणी समूह के शेयरों में भी उछाल देखने को मिला। अदाणी ग्रीन का शेयर 11 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया जबकि अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 8.78 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। अमेरिका की एक अदालत ने अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी की याचिका को सुनवाई को स्वीकार कर लिया है। इस याचिका में अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) की तरफ से दायर धोखाधड़ी मामला खारिज करने का अनुरोध किया गया है। अदाणी की तरफ से दलील दी गई है कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। इस घटनाक्रम के बाद अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में तेजी का माहौल रहा।

न्यूज अपडेट

राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे औषधीय वृक्ष लगाएगा एनएचएआई

नयी दिल्ली: भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे खाली पड़ी जमीन पर औषधीय गुणों वाले पेड़ लगाने के लिए 'आरोग्य वन' विकसित करने की पहल शुरू की है। एनएचएआई ने एक बयान में कहा कि इस पहल का उद्देश्य राजमार्गों के आसपास जैव-विविधता को समृद्ध करना है। 'आरोग्य वन' के विकास के पहले चरण में मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा, तमिलनाडु, राजस्थान, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के अंतर्गत 62.8 हेक्टेयर में फैले 17 भूखंडों पर लगभग 67,462 औषधीय पेड़ लगाने की योजना है। बयान के मुताबिक, इसके लिए नीम, आंवला, इमली, जामुन, नींबू एवं गूलर जैसी औषधीय गुणों वाली लगभग 36 वृक्ष प्रजातियों की पहचान की गई है। इन्हें संबंधित कृषि-जलवायु क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए लगाया जाएगा। एनएचएआई ने कहा कि सार्वजनिक जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा, मार्ग के किनारे मिलने वाली जन सुविधाओं, इंटरचेंज, घुमावदार फ्लाईओवर वाले चौराहे और अन्य प्रमुख हिस्सों के पास के भूखंडों को प्राथमिकता दी जाएगी।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया की पहली तिमाही की बिक्री रिकॉर्ड 4,567 इकाई पर

नयी दिल्ली: बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने चालू कैलेंडर साल की पहली तिमाही के दौरान 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपनी सबसे अधिक 4,567 वाहनों की बिक्री दर्ज की है। जर्मनी की कार विनिर्माता कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़त जारी रही। अब कंपनी की हर चौथी कार इलेक्ट्रिक है। भारत के लक्जरी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से ज्यादा है। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी पहली तिमाही में 26 प्रतिशत रही। कंपनी के पास इलेक्ट्रिक वाहनों की सबसे बड़ी श्रृंखला है, जिसमें बीएमडब्ल्यू आई7, बीएमडब्ल्यू आईएक्स, बीएमडब्ल्यू आई5, बीएमडब्ल्यू आईएक्स1 लॉन्ग व्हीलबेस, मिनी कंट्रीमैन ई, मिनी कंट्रीमैन एसई ऑल4 जैसी कारें और बीएमडब्ल्यू सीई 04 व बीएमडब्ल्यू सीई 02 जैसे दोपहिया वाहन शामिल हैं।

सरकार ने पॉलिमर, इस्पात, दवा, अन्य उद्योगों के लिए एलपीजी आवंटन को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, आठ अप्रैल (भाषा) केंद्र सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों के लिए वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति का दायरा बढ़ाते हुए अब अधिक उद्योगों को आवंटन की मंजूरी दे दी है। हालांकि इकाइयों को पश्चिम एशिया युद्ध से पहले की अपनी खपत का अधिकतम 70 प्रतिशत हिस्सा ही मिल सकेगा। इसके साथ ही सरकार ने पूरे औद्योगिक क्षेत्र के लिए कुल 200 टन प्रतिदिन एलपीजी की अधिकतम सीमा भी निर्धारित की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्यों को भेजे गए निर्देश में कहा है कि इस सुविधा के पात्र उद्योगों में पॉलिमर, कृषि, पैकेजिंग, पेंट, इस्पात, धातु, कांच, दवा, खाद्य, यूरेनियम, भारी जल, सिरेमिक, और ढलाई इकाइयां शामिल हैं। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया है कि गैस आपूर्ति में प्राथमिकता उन औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को दी जाएगी जहां विशिष्ट प्रक्रियाओं के लिए एलपीजी अनिवार्य है और जिसे प्राकृतिक गैस से नहीं बदला जा सकता है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा है कि इन क्षेत्रों की इकाइयों को मार्च, 2026 से पहले की उनकी औसत खपत का 70 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा।

वैष्णवी और सहजा ने भारत को न्यूजीलैंड पर 3-0 से जीत दिलाई

नयी दिल्ली: युवा वैष्णवी अडकर और सहजा यमलापल्ली ने अपने-अपने एकल मुकाबलों में आसान जीत दर्ज की जिससे भारत ने बुधवार को यहां बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) टेनिस टूर्नामेंट के एशिया-ओशियाना ग्रुप एक में वापसी करते हुए न्यूजीलैंड को 3-0 से हरा दिया। पदार्पण कर रही वैष्णवी और सहजा को पहले मुकाबले में निराशाजनक शिकस्त का सामना करना पड़ा था जिससे भारत वर्षा से प्रभावित मुकाबले में थाईलैंड के खिलाफ 1-2 से हार गया था। हालांकि दूसरे मुकाबले में भारत ने वापसी की और दोनों युवा खिलाड़ियों ने दबाव में धैर्य बरकरार रखते हुए अपने-अपने एकल मैच जीते। न्यूजीलैंड की टीम अपनी स्टार खिलाड़ी लुलु सुन के बिना उतरी। दोबारा जिम्मेदारी मिलने पर वैष्णवी ने काफी सुधार दिखाया। उन्होंने सहज गलतियां कम की और बेहतर नियंत्रण के साथ शॉट खेले तथा न्यूजीलैंड की खिलाड़ी आइशी दास को पहले एकल मैच में एक घंटे 30 मिनट में सीधे सेट में 6-2, 6-4 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। सहजा ने इसके बाद वैलेंटिना इवानोव को दूसरे एकल में सीधे सेट में 6-1, 6-3 से हराकर भारत को 2-0 की विजयी बढ़त दिला दी। रुतुजा भोसले और अंकिता रैना की जोड़ी ने महिला युगल में दुनिया की 11वें नंबर की खिलाड़ी एरिन रूटलिफ और दुनिया की 338वें नंबर की खिलाड़ी मोनिक बैरी की जोड़ी को सीधे सेट में 6-4 6-2 से हराकर भारत की आसान जीत सुनिश्चित की। वैष्णवी ने संवाददाताओं से कहा, ''यह बिली जीन किंग कप में मेरा पहला मैच था इसलिए मैं निश्चित रूप से बहुत नर्वस थी। मैंने अपनी घबराहट से ठीक तरीके से नहीं निपट पाई लेकिन यह मेरे लिए एक सबक था।'' उन्होंने कहा, 'आज कोर्ट पर आकर मुझे उस चीज पर ध्यान देना था जिसमें मैं सबसे अच्छी हूं। मुझे बस कोर्ट पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था।' सहजा ने कहा, 'मैं जीत से खुश हूं। (थाईलैंड के खिलाफ) यह एक मुश्किल मैच था। हमें अलग नतीजे की उम्मीद थी, हमने वह किया जो हम कर सकते थे। हमने जी-जान से

एलएसजी के खिलाफ व्यापक बदलाव कर सकता है केकेआर (तपन मोहंता)

कोलकाता: लय हासिल करने के लिए जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ होने वाले मैच में सत्र की पहली जीत हासिल करने के लिए अपनी अंतिम एकादश में व्यापक बदलाव कर सकती है। केकेआर के लिए वापसी करना आसान नहीं होगा क्योंकि उसका सामना मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाज से होगा जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में चार ओवर में नौ रन देकर दो विकेट लिए थे। उन्होंने लगातार ओवरों में अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड को आउट किया था। घरेलू क्रिकेट में बंगाल की तरफ से खेलने वाले शमी यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। वह सीधी सीम गेंदबाजी और गेंद की स्विंग कराने में माहिर हैं तथा वह ईडन गार्डन्स की परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। केकेआर ने अभी तक तीन मैचों में जीत हासिल नहीं की है। यहां की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती है। बारिश के कारण रद्द कर दिए गए पिछले मैच में पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट ने दिखाया कि अधिक घास वाली पिच पर सीधी सीम गेंदबाजी कितनी प्रभावी हो सकती है।

बेहद रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर गुजरात टाइटंस ने दिल्ली को एक रन से हराया

नई दिल्ली: 211 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली ने शानदार संघर्ष किया, लेकिन आखिरी गेंद पर किस्मत ने उसका साथ नहीं दिया और टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 209 रन ही बना सकी। दिल्ली के लिए केएल राहुल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 52 गेंदों में 92 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और चार छक्के शामिल थे। उनके अलावा डेविड मिलर ने 20 गेंदों में नाबाद 40 रन बनाकर मैच को अंत तक रोमांचक बनाए रखा। आखिरी दो ओवर में 36 रन की जरूरत थी, जिसमें 19वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने 23 रन दे दिए, जिससे दिल्ली की उम्मीदें जिंदा रहीं। अंतिम ओवर में 13 रन की जरूरत थी। पहली गेंद पर चौका, फिर एक विकेट और फिर मिलर का छक्का- मैच आखिरी गेंद तक पहुंच गया। आखिरी गेंद पर दो रन चाहिए थे, लेकिन कुलदीप यादव रन आउट हो गए। दिल्ली ने वाइड के लिए रिव्यू लिया, जो असफल रहा। इससे पहले गुजरात टाइटंस ने शुभमन गिल (70), जोस बटलर (52) और वॉशिंगटन सुंदर (55) की शानदार पारियों की बदौलत चार विकेट पर 210 रन बनाए। गिल और सुंदर के बीच तीसरे विकेट के लिए 100 रन की अहम साझेदारी हुई, जिसने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गेंदबाजी में राशिद खान ने कमाल करते हुए चार ओवर में सिर्फ 17 रन देकर तीन विकेट झटके और दिल्ली की पारी को झटके दिए। दिल्ली की ओर से मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए, लेकिन महंगे साबित हुए। दिल्ली की शुरुआत अच्छी रही और पाथुम निसांका (41) और राहुल ने पहले विकेट के लिए 76 रन जोड़े। हालांकि, बीच के ओवरों में लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई। अंत में मिलर ने उम्मीदें जगाईं, लेकिन टीम जीत से एक रन दूर रह गई। यह मुकाबला आईपीएल के सबसे रोमांचक मैचों में से एक बन गया, जिसमें आखिरी गेंद तक परिणाम अनिश्चित बना रहा।

मंधाना ने महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए हाइजीन ब्रांड के साथ साझेदारी की

नयी दिल्ली: स्टार क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने एक प्रमुख महिला हाइजीन (स्वच्छता) ब्रांड की ब्रांड दूत बनने के बाद स्वास्थ्य और महिलाओं की हाइजीन को प्राथमिकता देने की अहमियत पर जोर दिया। 'पी सेफ' ने अपने स्थापना दिवस पर भारतीय महिला टीम की उप कप्तान को अपनी 'कंफर्ट रेंज' का चेहरा बनाया है और इस दिग्गज खिलाड़ी के साथ इस साझेदारी का मकसद महिलाओं की हाइजीन के संदेश को फैलाना है। मंधाना ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुझे नहीं लगता कि कंफर्ट कभी ऐसी चीज होनी चाहिए जिसके बारे में आपको दो बार सोचना पड़े या कोई समझौता करना पड़े। यह बस आपको मिलनी चाहिए। पी सेफ के बारे में यही बात मुझे सबसे अलग लगी क्योंकि वे कंफर्ट को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहे हैं।'

भारत ने चीनी ताइपे को हराया, एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के नॉकआउट की दौड़ में बरकरार

पाथुम थानी (थाईलैंड): भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने अपने अंतिम ग्रुप सी मैच में बुधवार को यहां चीनी ताइपे को 3-1 से हराकर एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 के नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखा है। भारतीय फारवर्ड शिवानी देवी नोंगमेइकापम ने दो गोल दागे। उन्होंने 32वें मिनट में गोल करने के बाद 87वें मिनट में पेनल्टी को भी गोल में बदला। इससे पहले भूमिका देवी खुमुकचाम ने 26वें मिनट में गोल दागकर भारतीय टीम को बढ़त दिलाई। स्थानापन्न खिलाड़ी काओ सिन ने चीनी ताइपे के लिए एकमात्र गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के तीसरे मिनट में किया। यह 2004 से एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप में भारत की पहली जीत है। इस जीत की बदौलत भारत ग्रुप सी में तीन मैच में तीन अंक से तीसरे स्थान पर रहा। भारत को अब उम्मीद होगी कि जोर्डन और उज्बेकिस्तान के बीच आज होने वाला ग्रुप बी मैच ड्रॉ रहे जिससे कि टीम सभी ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम में से एक के रूप में क्वार्टर फाइनल में जगह बना सके। भारत को अपने शुरुआती दो मैच में जापान (0-6) और ऑस्ट्रेलिया (0-5) के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा था और टूर्नामेंट में अपनी उम्मीद बरकरार रखने के लिए उसे चीनी ताइपे के खिलाफ हर हाल में जीत की जरूरत थी।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप: आयुष ने ली शी को हराकर उलटफेर किया, सिंधू और प्रणय भी जीते

निंगबो (चीन): भारत के उभरते हुए स्टार आयुष शेट्टी ने बुधवार को यहां बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में उलटफेर करते हुए दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी चीन के लिन शी फेंग को हराया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू और अनुभवी एचएस प्रणय भी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। अमेरिकी ओपन 2025 चैंपियन आयुष ने चीन के स्टार लिन को 51 मिनट में 21-13, 21-16 से हराया। दोनों गेम में लिन की अच्छी शुरुआत के बावजूद आयुष दबदबा बनाते हुए अंतिम 16 में पहुंच गए। लिन ने शुरुआत में ही 4-1 की बढ़त बना ली लेकिन आयुष ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 7-7 से बराबर कर दिया। इसके बाद उन्होंने धीरे-धीरे खेल पर नियंत्रण बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में चीन के खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 4-1 से बढ़त हासिल की और फिर इसे 12-9 तक पहुंचाया

लेकिन आयुष ने लगातार छह अंक बनाकर मैच का रुख पलट दिया और स्कोर 18-13 कर दिया। लिन ने अंतर कम करते हुए स्कोर 16-18 कर दिया, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपना संयम बनाए रखा और लगातार तीन अंक के साथ खिताब के दावेदार माने जा रहे लिन को बाहर का रास्ता दिखा दिया। सिंधू ने महिल एकल में मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 57 मिनट में 15-21, 21-11, 21-19 से हराया। अब सिंधू का सामना प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चीन की वांग झी यी से होगा। दोनों का पिछले मुकाबलों में जीत-हार का रिकॉर्ड 3-3 का रहा है। पुरुष एकल में अनुभवी प्रणय ने वियतनाम के एनगुएन हेई डांग को 47 मिनट में 24-22, 21-12 से हराया। दूसरे दौर में उनका सामना चीन के हॉंग यांग से होगा जिन्हें पहले दौर में वॉकओवर मिला। लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, मालविका बंसोड़ और तन्वी शर्मा पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गए हैं।

नितेश को रजत, सचिन और प्रिंस ने कांस्य पदक जीते

नयी दिल्ली: भारतीय ग्रीको रोमन पहलवानों ने बुधवार को किर्गिस्तान के बिश्केक में 2026 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में देश की पदक संख्या में एक रजत और दो कांस्य पदक जोड़े। नितेश ने 97 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता जबकि सचिन सहरावत (67 किग्रा, ग्रीको रोमन) और प्रिंस (82 किग्रा, ग्रीको रोमन) ने कांस्य पदक अपने नाम किए। बुधवार को तीन पदक जीतने के साथ ही भारत के पास दो रजत और तीन कांस् पदक हो गए। दो महिला पहलवानों ने भी कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में जगह बनाई। बुधवार को सभी की निगाहें नितेश पर थी। 23 साल के नितेश का मुकाबला मौजूदा चैंपियन मोहम्मदहादी सारावी से था और वह वैसा जादू नहीं दिखा सके जिससे वह फाइनल में पहुंचे थे और फाइनल मुकाबले में 1-7 से हार गए। इससे पहले सचिन ने दूसरे राउंड में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए कांस्य पदक के मुकाबले में उज्बेकिस्तान के अब्दुमालिक अमीनोव को 6-5 से हराकर पदक जीता।

वर्ष 11, पूर्णांक 3557 अंक 023 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in